www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष –11 । अंक–214 । सागर, सोमवार 21 सितम्बर 2026 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

तेज बारिश में खेतों में बिछी मक्का की फसल, किसानों की बढ़ी चिंता — पृष्ठ 2

▸ राहुल मेहनत कर रहे हैं और कांग्रेसी उस पर पानी फेर रहे
▸ हर देश के लिए जरूरी है 'शांति मंत्रालय' — पृष्ठ 4

▸ खरीदारी की रकम वापस करने में आनाकानी पड़ी भारी, उपभोक्ता आयोग ने दिलाया हक — पृष्ठ 6

लव-कुश के आदर्शों को आत्मसात कर शिक्षा और संस्कार से समाज को नई दिशा दें : गोविंद सिंह राजपूत — पृष्ठ 8

विशेष गहन पुनरीक्षण में विवरण का नहीं हुआ मिलान

दिल्ली के 33 लाख मतदाताओं को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दिल्ली में एक बड़ा मामला सामने आया है। निर्वाचन आयोग द्वारा विवरणों में कथित विसंगतियों के कारण नोटिस पाने वाले 33 लाख मतदाताओं की सूची में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जैसी कई प्रमुख हस्तियों के नाम भी शामिल हैं।

98 वर्षीय आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को नोटिस जारी किए गए हैं, क्योंकि उनके

आडवाणी, सिसोदिया केजरीवाल व कपिल सिब्बल शामिल

नाम 2002 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता सूची से मेल नहीं खा पाए। हालांकि, उनके बेटे जयंत इस मैपिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार कर चुके हैं। ये सभी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं। आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और उनके बेटे मीर को भी नोटिस मिला है। अधिकारियों के अनुसार, बेटे मीर के नोटिस में माता–पिता के नाम में विसंगति और पत्नी सीमा के नोटिस में उनके अपने नाम में बेमेल का कारण बताया गया है। इस सूची में आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के नाम भी शामिल हैं।

29 अक्टूबर तक जमा कराने होंगे दस्तावेज

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही इन नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। मतदाताओं को अपने जवाब और दस्तावेज संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के पास 29 अक्टूबर तक जमा कराने होंगे, जबकि दावों और आपत्तियों का चरण 30 सितंबर को समाप्त होगा।

फॉर्म में विसंगतियों के चलते दिया नोटिस : 30 जून से 17 अगस्त के बीच चलाए गए घर–घर सत्यापन अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता को एक गणना फॉर्म जमा करना आवश्यक था। मसौदा सूचियों में शामिल लगभग 97 लाख मतदाताओं में से 33.13 लाख मतदाताओं को उनके फॉर्म में विसंगतियों के चलते नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें से अब तक 31.63 लाख से अधिक नोटिस दिए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने चीता प्रोजेक्ट की सफलता पर जताई प्रशंसा

कुनबा बढ़ा, गांधी सागर अभयारण्य में दौड़ी राधा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को नीमच–मंदसौर जिले के गांधी सागर वन्य अभयारण्य में मादा चीता राधा को छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा राधा अष्टमी के उपलक्ष्य में मादा चीता का नामकरण राधा किया। डॉ. यादव ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ चीता प्रोजेक्ट सफलता के नये मानदण्ड स्थापित कर रहा है।

वहीं मध्यप्रदेश में विलुप्त हो चुके वन जीवों को पुर्नस्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। गत वर्ष छोड़े गये चीतें पूरी तरह स्वस्थ है। डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में चीता प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है, प्रदेश में चीतों की बढ़ती हुई संख्या इसका प्रमाण है। हमारा सौभाग्य है मध्यप्रदेश वन्यजीवों की विविधता से भरपूर है। हमारा प्रदेश चीता स्टेट के साथ टाइगर स्टेट, घड़ियाल स्टेट और गिद्ध स्टेट के रूप में भी जाना जाने लगा है। असम से जंगली भैंसे भी लाएं गए हैं और प्रदेश में गजराज की संख्या भी लगभग 100 हो गई है। गांधी सागर अभयारण्य में छोड़े गए चीतों से वन्यजीव संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय नागरिकों के लिये रोजगार एवं आजीविका के लिए नए अवसर मिलेंगे। डॉ यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश का चीता प्रोजेक्ट एशिया का पहला प्रोजेक्ट है। एशिया से चीते गायब हो गए थे, प्रधानमंत्री श्री मोदी के आशीर्वाद से राज्य सरकार ने संकल्प लिया और चीतों के पुनर्वास का अभियान शुरू किया। प्रदेश में चीतों की संख्या अब लगातार बढ़ती जा रही है। जहां सैकड़ों साल पहले चीतें विलुप्त हो गए थे, वहीं अब वे स्थानीय वातावरण में खेलते–कूदते दिखाई दे रहे हैं। यह वन्य जीवों के प्रति जीयों और जीने दो के सिद्धांत के आधार पर प्राप्त उपलब्धि का प्रतीक है।

रोजगार के नए अवसर मिलेंगे

सार-समाचार

इंडिगो की उड़ान ने इमरजेंसी के चलते लखनऊ में की लैंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकॉक से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान को मेडिकल इमरजेंसी के चलते शनिवार देर रात लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया और वहां विमान की लैंडिंग हुई। यह जानकारी सूत्रों की ओर से दी गई। एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि बैंकॉक से दिल्ली की उड़ान के दौरान एक यात्री की स्वास्थ्य स्थिति अचानक गंभीर हो गई थी, जिसे देखते हुए पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया। सूत्रों के मुताबिक, इंडिगो की उड़ान 6ई1054, बैंकॉक से दिल्ली जा रही थी, जिसे एक यात्री की तबीयत अचानक बिगड़ने के कारण लखनऊ डायवर्ट किया गया। यात्री को सीने में तेज दर्द और सांस लेने में परेशानी की शिकायत थी।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एक्ट में बदलाव की हो रही तैयारी

कोच्चि, एजेंसी। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से जुड़े कानून और नियमों में बदलाव चाहता है और इसके लिए वह सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। आईसीएआई की केंद्रीय परिषद के सदस्य सतीश कुमार गुप्ता ने शनिवार शाम यहां बताया कि साल 1949 में संस्थान की स्थापना के बाद से पहली बाद परिषद चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एक्ट, नियम और शिड्यूल में बदलाव पर विचार कर रहा है। इसमें कई तरह के बदलाव सुझाए गए हैं। मीडिया से एक मुलाकात के दौरान उन्होंने बताया कि आईसीएआई इस दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है और जल्द ही ठोस परिणाम देखने को मिलेंगे।

डंपर ने क्रेन, ऑटो को मारी टक्कर, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण–पूर्वी दिल्ली के सरिता विहार इलाके में रविवार तड़के एक डंपर ट्रक ने खड़ी क्रेन और ऑटो–रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब 3:20 बजे हुआ। हरियाणा का डंपर नोएडा से आ रहा था और उसने सड़क पर खड़ी क्रेन तथा ऑटो–रिक्शा को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि क्रेन और ऑटो का इस्तेमाल ट्रैफिक पुलिस के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने वाले कर्मचारी कर रहे थे। इसी दौरान डंपर ने दोनों वाहनों को टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान संगम विहार निवासी उमेश (23) और प्रवीण (35) तथा एचआर प्रबंधक सूरज (34) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सूरज के बारे में अन्य जानकारी उनके नियोक्ता से जुटाई जा रही है।

इमरान खान की बहन अलीमा खान लाहौर में गिरफ्तार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान पुलिस ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान को रविवार को लाहौर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) द्वारा 27 सितंबर को इस्लामाबाद में प्रस्तावित विरोध मार्च से कुछ दिन पहले हुई है। 'द न्यूज इंटरनेशनल' ने पार्टी सूत्रों के हवाले से बताया कि अलीमा खान को 1960 के मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर अध्यादेश की धारा तीन के तहत हिरासत में लिया गया है। लाहौर जिला प्रशासन की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, उन्हें 30 दिनों तक हिरासत में रखने का आदेश दिया गया है।

गणपति पंडाल के पास विद्युत करंट से 2 की मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मध्य मुंबई में शनिवार देर रात एक गणपति पंडाल के पास करंट लगने से एक नाबालिग लड़की और एक महिला की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि यह घटना दक्षिण–मध्य मुंबई के कालाचौकी में दत्ताराम लाड मार्ग पर कालाचौकी विभाग सार्वजनिक उत्सव मंडल के पास कल रात करीब 0220 बजे हुई, जहां गणपति दर्शन के लिए भारी भीड़ जमा हुई थी। मुंबई अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी करीब 0242 बजे मिली और वे मौके पर पहुंचे। मंडल के प्रवेश के पास एक अस्थायी पीने के पानी के स्टॉल पर करंट का पता चला। अग्निशमन विभाग , मुंबई पुलिस, बेस्ट और ई–वार्ड नागरिक अधिकारियों के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत बिजली आपूर्ति काट दी और एहतियात के तौर पर इलाके को भी घेर लिया गया था। बेस्ट अधिकारियों के मुताबिक पोल नंबर डीएलएम–14 के पास दिग्विजय मिल चॉल में निरीक्षण किया गया, जहां गणपति लाइटिंग और कोल्ड–ड्रिंक स्टॉल के लिए एक अस्थायी बिजली मीटर लगाया गया था।

गृहमंत्री अमित शाह की बिगड़ी तबीयत

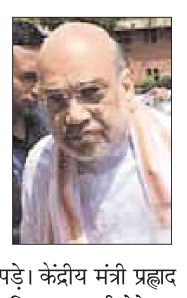

हुबली, एजेंसी। कर्नाटक के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए, जिसके चलते उन्हें अपने सभी तय सार्वजनिक और उद्घाटन कार्यक्रम रद्द करने पड़े। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस बात की आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि अब अमित शाह की सेहत में सुधार है और वह पूरी तरह ठीक हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया कि फूड पॉइजनिंग और उल्टी होने के कारण अमित शाह को काफी कमजोरी आ गई थी, जिसके चलते डॉक्टरों ने उन्हें सफर न करने की सलाह दी। शाह की गैरमौजूदगी में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और बेलगावी के सांसद जगदीश शेट्टार ने संयुक्त रूप से संस्थानों का उद्घाटन संपन्न कराया। जोशी ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद गृह मंत्री की हालत अब सामान्य और स्थिर है।

कर्नाटक दौरे पर फूड पॉइजनिंग के चलते रद्द हुए कार्यक्रम

आईआईटी बॉम्बे आत्महत्या मामला : प्रोफेसर पर एफआईआर दर्ज

मुंबई, एजेंसी। आईआईटी बॉम्बे में स्टूडेंट साहिल रविंद्र वाकोडे की आत्महत्या के मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण डल्ला पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। साहिल के पिता ने प्रोफेसर पर बेटे को करीब 3 महीने से जातिसूचक गालियां देने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। साहिल के पिता ने अपनी शिकायत में आईआईटी बॉम्बे के डायरेक्टर श्रीशिश बी. केदारे, कुछ फैकल्टी मेंबर्स और सीनियर अधिकारियों के नाम भी दिए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डायरेक्टर के निर्देश पर साहिल का उत्पीड़न किया गया। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और एस सी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले की जांच अब मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही है। साहिल 22 साल का था और एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में सेकंड ईयर बीटैक का छात्र था।

मणिपुर के फिर हिंसक प्रदर्शन

- कांगपोकपी में प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे खोदा, पत्थर फेंके
- 7 कुकी ग्रामीणों की हिरासत का विरोध कर रहे थे

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। अब कांगपोकपी जिले में 7 कुकी ग्रामीणों की हिरासत के विरोध में हिंसक प्रदर्शन हुए। मोतबुंग और आसपास के इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कें रोकीं, टायर जलाए और सरकारी वाहनों पर पत्थर फेंके।

सुरक्षा बलों ने भीड़ को हटाने के लिए कई राउंड आंसू गैस के गोले छोड़े। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने बाद में सातों गांव स्वयंसेवकों को छोड़ दिया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया और जिले में स्थिति नियंत्रण में है। प्रदर्शनकारियों का दावा था कि खोलेन गांव के सात लोगों को सुरक्षा बलों ने बिना कारण बताए हिरासत में लिया। खोलेन गांव जिले के नागा–बहुल चावांगकिनिंग गांव के पास है। खोलेन गांव पर हाल ही में हथियारबंद उपद्रवियों ने हमला किया था। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के वाहनों को रोकने के लिए मोतबुंग में राष्ट्रीय राजमार्ग–2 (इंफाल–दीमापुर) के कुछ हिस्से भारी निर्माण

उपकरणों से खोद दिए। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोग घायल हुए। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बाद में सात गांव स्वयंसेवकों को रिहा कर दिया। अधिकारी ने कहा, 'जिले में अब स्थिति नियंत्रण में है।'

सीआरपीएफ कार्रवाई की निंदा की

कुकी समुदाय के शीर्ष संगठन कुकी इनपी मणिपुर ने सात ग्रामीणों की हिरासत की निंदा की। संगठन ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) पर हिरासत लेने का आरोप लगाया। बयान में कहा कि हथियारबंद उपद्रवियों द्वारा कुकी महिलाओं की हत्या के जिम्मेदार लोगों पर अधिकारियों ने पर्याप्त कार्रवाई नहीं की। इसके बजाय स्थानीय नागरिकों को हिरासत में लिया गया।

दिल्ली में प्रॉपर्टी डीलर की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पॉश इलाके कालकाजी में एक प्रॉपर्टी डीलर की कथित तौर पर पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना में मृतक प्रॉपर्टी डीलर का भी भाई गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे बाद में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक की पहचान 48 वर्षीय मंजीत सिंह के रूप में हुई। परिजनों ने एक परिवार पर मंजीत सिंह की हत्या और उसके दूसरे भाई से मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। मृतक की बहन ने कहा कि मंजीत सिंह की पीट–पीटकर हत्या की गई है। उन्होंने कहा, 'मेरे भाई को बुरी तरह पीटा गया। आरोपियों ने उसे वहीं मौके पर ही मार डाला।' रज्जी चौधरी नाम की महिला पर आरोप लगाते हुए मंजीत की बहन ने कहा, 'रज्जी चौधरी अपने पति, बेटों और बेटी के साथ मौजूद थी। वे सभी इसमें शामिल थे और सबने मिलकर उसे मारा। उन्होंने मंजीत के सिर पर वार किया। मेरे भाई के सिर पर किसी चीज से चोट पहुंचाई। सिर पर चोट लगने से वह गिर पड़ा।

छात्रा के सवाल पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

सरकार के पास दिया जलाने का पैसा, हॉस्टल का नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में एक छात्रा द्वारा पूछे गए सवाल पर सरकार को घेरा है। उन्होंने रविवार को एक्स पर अपनी पोस्ट में छात्रा का सवाल लिखा कि सरकार के पास दिया जलाने के लिए पैसा है–हमारे हॉस्टल के लिए क्यों नहीं। राहुल गांधी ने कहा कि यह सवाल कल इंदौर में एक छात्रा ने मुझसे पूछा। गांव से पढ़ने शहर आई छात्रा ने कहा कि हॉस्टल है नहीं, तो पीजी में रहना पड़ता है। सिर्फ सुरक्षित रहने में लाखों खर्च हो जाते हैं। हर महीने किराए की चिंता और बेघर होने का डर इसी में पढ़ाई करनी पड़ती है। कई लड़कियां इसी वजह से पढ़ाई छोड़ देती हैं। सिर्फ इसलिए कि रहने की जगह नहीं है। आवास भत्ता महंगाई के साथ बढ़ता नहीं और ऊपर से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में पीएम मोदी से इस सवाल का जवाब मांगते हुए कहा कि क्या उस बच्ची के सवाल का कोई जवाब है। इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले राहुल गांधी कोटा, पुणे, प्रयागराज आदि स्थानों पर छात्रों से संवाद कर चुके हैं।

शिक्षा–रोजगार जैसे मुद्दों पर बात की : राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के पांचवें संस्करण में हिस्सा लिया। इसका विषय 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' था। यह कार्यक्रम इससे पहले कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में भी हो चुका है। इंदौर में छात्रों ने शिक्षा, भर्ती, परीक्षा, आरक्षण, हॉस्टल और रोजगार से जुड़े मुद्दे उठाए।

राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े : कांग्रेस

कांग्रेस ने भाजपा और आरएसएस पर शिक्षा व्यवस्था को खोखला और भ्रष्ट करने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े हैं, इसलिए सरकार से सवाल पूछ रहे हैं और जवाबदेही मांग रहे हैं।

कांग्रेस जोकरों की पार्टी बन गई है: भाजपा

इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी की आलोचना की। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा– कांग्रेस पार्टी कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं... रेस्ट इन पीस। शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा– राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं।

अमेरिका हमला करने की तैयारी में: ईरान

- सैन्य कमांड ने कहा, साझेदारों को भुगतना पड़ेगा अंजाम
- अचानक व्हाइट हाउस लौटे ट्रंप

तेहरान, एजेंसी। ईरान के मिलिट्री हेडक्वार्टर ने मध्य पूर्व के देशों को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका उनके ठिकानों से ईरान पर फिर से बड़े हमले करता है, तो उन्हें भी 'साझेदार' माना जाएगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, ईरान के केंद्रीय सैन्य कमांड ने ये बयान जारी किया, जिसके मुताबिक उन्हें जानकारी मिली है कि अमेरिका, कुछ क्षेत्रीय देशों के समर्थन से, ईरान के खिलाफ फिर से कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि सेना का कहना है कि अमेरिका के किसी भी हमले के जवाब में इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और हितों पर लगातार हमले किए जाएंगे। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता का समर्थन करने वाले क्षेत्रीय देशों को भी इस संघर्ष में शामिल पक्ष माना जाएगा। खातम अल–अंबिया हेडक्वार्टर ने बयान में कहा, 'हम चेतावनी देते हैं कि अगर इस इलाके के देश इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के प्रति अपनी दोहरी नीति जारी रखते हुए एक ताकतवर और संप्रभु ईरान के खिलाफ अमेरिका के आक्रामक हमले में साथ देते हैं, तो उन्हें भी इस काम में साझेदार माना जाएगा और वे ईरान की ताकतवर सेना से संयम या शालीनता की उम्मीद नहीं कर सकते।' ये बयान मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की खबरों के बीच आया है। दरअसल, पिछले कुछ घंटों में अमेरिका ने मध्य पूर्व में मौजूद अपने दूतावासों, मिशनों और नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

अटकलों को हवा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर लौटने की वजह से भी उड़ी। शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रंप की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने स्पष्ट नहीं की। इस बीच ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर–पूर्वी सीरिया के अल–हसकाह में खाराब अल–जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी।

टाटा संस के फैसले की वैधता पर सवाल उठाया

चंद्रशेखरन की नियुक्ति को दी चुनौती

- चेयरमैन के वोटिंग अधिकार पर भी दिया स्पष्टीकरण
- साइरस मिस्त्री मामले का भी दिया हवाला

मुंबई, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स ने रविवार को यह कहते हुए टाटा संस के चेयरमैन के रूप में एन.चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को चुनौती दी कि आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (एओए) के तहत, किसी भी प्रस्ताव के पास होने के लिए टाटा ट्रस्ट्स की ओर से नामित डायरेक्टर्स का बहुलता में वोट होना आवश्यक है, जो कि इस प्रस्ताव को नहीं मिला।

टाटा संस में 66 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स ने अपने बयान में कहा कि टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट्स की ओर से दो नामित डायरेक्टर्स हैं और किसी भी प्रस्ताव को पास करने के लिए दोनों का पक्ष में होना जरूरी है और 17 सितंबर को हुई बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के प्रस्ताव खिलाफ एक डायरेक्टर ने विपक्ष में वोट दिया था, जो दिखाता है कि एओए में दी गई शर्त पूरी नहीं हुई है। बयान में आगे कहा गया कि टाटा संस के बोर्ड में दो टाटा ट्रस्ट्स के नामित डायरेक्टर्स हैं और बहुलता का मतलब दो है न कि एक। ट्रस्ट्स ने ग्रुप के अंदर कोई गतिरोध होने से इनकार करते हुए कहा कि बोर्ड ने एक सवाल पूछा और एओए ने उसका जवाब 'नहीं' में दिया। कंपनी के अपने संविधान से मिले सुरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करना कोई गतिरोध नहीं है। यह तो बस उस संविधान का उसी तरह काम करना है, जिस तरह उसे काम करने के लिए बनाया गया था। चेयरमैन के वोटिंग अधिकार पर स्पष्टीकरण देते हुए ट्रस्ट्स ने आगे कहा कि चेयरमैन का वोट तभी इस्तेमाल किया जा सकता है जब पूरे बोर्ड के स्तर पर वोट बराबर हों। यह नियम टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर्स पर लागू नहीं होता। वोट का नतीजा 4:1 था या कुछ और, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। केवल महत्वपूर्व यह था कि शर्त या तो पूरी होती है या नहीं होती, इस मामले में शर्त पूरी नहीं हुई। टाटा ट्रस्ट्स के मुताबिक, एओए कोई ऐसी सुविधा नहीं है जिस पर जरूरत पड़ने पर तो भरोसा किया जाए और जरूरत न होने पर उसे नजरअंदाज कर दिया जाए।

टाटा संस ऐसा रुख नहीं अपना सकती, क्योंकि वह पहले ही इसके उलट रुख अपना चुकी है और सुप्रीम कोर्ट में जीत भी चुकी है। साइरस मिस्त्री को हटाए जाने से जुड़ी कार्यवाही में, आर्टिकल 104बी और 121 के तहत ट्रस्ट के नॉमिनी डायरेक्टरों के 'अफर्मेटिव वोटिंग राइट्स' (सहमति वाले वोटिंग अधिकार) मुख्य मुद्दा थे। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल ने इन्हें दमनकारी माना और शिकायत करने वालों ने मांग की कि इन्हें हटा दिया जाए या सीमित कर दिया जाए।

तेज बारिश में खेतों में बिछी मक्का की फसल, किसानों की बढ़ी चिंता

परासिया-चांदपुर क्षेत्र के करीब 1 दर्जन गांवों में नुकसान की सूचना, किसानों ने सर्वे और राहत की मांग की

रहली, देशबन्धु। बीती रात हुई तेज बारिश ने परासिया-चांदपुर क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दी। क्षेत्र के आसपास करीब एक दर्जन गांवों में खेतों में खड़ी मक्का की फसल को नुकसान पहुंचने की सूचना है। कई खेतों में तेज बारिश और हवा के कारण मक्का की फसल जमीन पर बिछ गई। किसानों के अनुसार कुछ खेतों में नुकसान काफी अधिक है और करीब 90 प्रतिशत तक फसल गिरने की बात कही जा रही है। रविवार सुबह किसान जब अपने खेतों पर पहुंचे तो कई जगह खड़ी फसल जमीन पर पड़ी मिली। मक्का की बालियां पानी और कीचड़ में दब गई हैं। किसानों के मुताबिक फसल कटाई के करीब पहुंच चुकी थी। बीज, खाद, दवा, मजदूरी और सिंचाई पर पहले ही खर्च हो चुका था। ऐसे समय में फसल गिरने से अब उत्पादन और आमदनी दोनों को लेकर चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि खेतों में गिरी मक्का की फसल में नमी बढ़ने से दाने खराब होने और सड़न आने की आशंका है। यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ तो फसल की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसका असर उपज के बाजार मूल्य पर भी पडने की संभावना है। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से जल्द सर्वे कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि खेत-खेत जाकर वास्तविक नुकसान का आंकलन किया जाये और नियमानुसार पात्र किसानों को राहत उपलब्ध कराई जाये। किसानों के लिये यह नुकसान इसलिये भी चिंता का विषय है क्योंकि खरीफ फसल तैयार होने के अंतिम दौर में थी। अब किसान मौसम साफ होने के साथ प्रशासन की सर्वे कार्रवाई और राहत की उम्मीद लगाये बैठे हैं।

सार-समाचार

पर्युषण पर तीनों जिनालयों में उमड़ रहे श्रद्धालु

मालथौन, देशबन्धु। दस दिवसीय पर्युषण पर्व के चलते नगर के तीनों जिनालयों में धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है। सुबह से श्रद्धालु पीले केसरिया पूजन वस्त्रों में जिनालय पहुंचकर भगवान श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन अर्चन कर रहे हैं। विश्व मंगल की कामना के साथ शांतिधारा के बाद सामूहिक नित्य पूजन, सरस्वती पूजन एवं तत्त्वार्थसूत्र का वाचन किया जा रहा है। दोपहर में विधान पूजन में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। संध्या के समय तीनों जिनालयों में संगीतमय महाआरती आयोजित की जा रही है। भक्ति गीतों और वाद्ययंत्रों की धुन के बीच श्रद्धालु परिवार सहित आरती में शामिल हो रहे हैं। गंज मंदिर में ब्रह्मचारिणी दीदी शैलाजी के मुखारविंद से प्रतिदिन वचनिका का वाचन किया जा रहा है। पर्युषण पर्व के दौरान जिनालयों में संचालित पाठशालाओं में भी धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगितायें आयोजित की जा रही हैं। बच्चे भक्ति गीत, धार्मिक नाटिकाओं एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। बच्चों की प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं और अभिभावकों के लिये आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

भक्ताम्बर स्तोत्र पर बच्चों ने दी भव्य नृत्य नाटिका की प्रस्तुति

सागर, देशबन्धु। पर्युषण पर्व 2026 के पावन अवसर पर वर्णी कॉलोनी जैन धर्मशाला में ऐलक श्री आदर्शसागर के मंगल सानिध्य एवं विद्वान मोहित जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में सभी धार्मिक अनुष्ठान प्रतिदिन संपन्न हो रहे हैं। इसी श्रृंखला में प्रवचन उपरांत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में चंद्रप्रभु दिगंबर जैन पाठशाला के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा भक्ताम्बर की रचना पर आधारित आकर्षक एवं भव्य नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। बच्चों ने भक्ताम्बर स्तोत्र के माध्यम से भगवान आदिनाथ की भक्ति, त्याग एवं तपस्या का सुंदर संदेश प्रस्तुत किया। नन्हे मुन्ने बच्चों की भावपूर्ण एवं मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में रेखा जैन अहिंसा ने कहा कि धार्मिक एवं संस्कारमय आयोजनों के माध्यम से बच्चों में भारतीय संस्कृति, धर्म एवं संस्कारों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ती है। कार्यक्रम के आयोजन में मीना खमकुंआ, मिनी, मनीषा जैन एवं समस्त पाठशाला परिवार का विशेष सहयोग रहा। बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुये अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उपस्थित समाजजनों ने बच्चों की प्रस्तुति की मुक्तकंठ से सराहना करते हुये उनका उत्साहवर्धन किया।

अयोध्या में दीपावली मनाएंगे सीताराम नाम लेखन प्रेमी

सागर, देशबन्धु। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सिरोंजा परिसर स्थित मंदिर में विराजमान सिद्ध श्री संकटमोचन की कृपा से अप्रैल 2012 में प्रारंभ हुआ श्री सीताराम नाम लेखन का संकल्प निरंतर जारी है। भक्तों ने अब तक 26 बार सवा करोड़ श्री सीताराम नाम लेखन का संकल्प पूर्ण कर लिया है और वर्तमान में 27 वें सवा करोड़ नाम लेखन का कार्य चल रहा है। श्री सीताराम नाम बैंक जिला शाखा के सह व्यवस्थापक पं. ब्रजेश द्विवेदी ने बताया कि अप्रैल 2012 से अब तक भक्तों द्वारा 15600 कॉपियों में श्री सीताराम नाम लेखन पूर्ण किया जा चुका है। इनमें से 13200 पूर्ण लेखन पुस्तिकायें अयोध्या स्थित अंतरराष्ट्रीय श्री सीताराम नाम बैंक में जमा कराई जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि शेष 2400 पूर्ण लेखन पुस्तिकाओं को सीताराम नाम लेखन प्रेमी पं. ब्रजेश द्विवेदी सनराइज मेगासिटी, अखिलेश्वरनाथ शुक्ला श्रीराम कॉलोनी एवं रामरतन तिवारी पीपरा जमाशंकर धाम कॉलोनी अपने परिवार सहित आगामी 8 नवंबर को अयोध्या पहुंचकर अंतरराष्ट्रीय श्री सीताराम नाम बैंक में जमा करेंगे। इसके बाद सभी श्रद्धालु श्री रामलला के दर्शन करेंगे और दीपावली का पर्व अयोध्या में ही मनायेंगे।

लोकपाल ने बिजली कंपनी के 3 अधिकारियों पर लगाया जुर्माना, अंतिम तारीख से पहले बिना नोटिस कनेक्शन काटा, फिर चोरी का मामला बनाया

खुरई, देशबन्धु। राज्य विद्युत लोकपाल ने बिजली विभाग के तीन अधिकारियों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। मामला बिना नोटिस बिजली कनेक्शन काटने और इसके तीन महीने बाद उपभोक्ता पर बिजली चोरी का प्रकरण बनाने से जुड़ा है। लोकपाल ने 2 हजार रुपये केस खर्च के तौर पर देने और उपभोक्ता का कनेक्शन बिना री.कनेक्शन शुल्क लिये जोड़ने के निर्देश भी दिये हैं। मामला परसा चौराहा स्थित समैया मार्केट में एमपी ऑनलाइन की दुकान चलाने वाले राजकुमार साहू से जुड़ा है। राजकुमार के अनुसार 4 जुलाई 2022 को कनिष्ठ अभियंता ने लोड बढ़ाने के नाम पर 11,592 रुपये जमा कराने का बिना तारीख वाला नोटिस दिया था। इसमें राशि किस आधार पर मांगी गई, इसकी जानकारी नहीं दी गई। राजकुमार ने इस मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में की। उनका आरोप है कि शिकायत करने के बाद विभाग के अधिकारियों ने नाराजगी जताई। 28 सितंबर 2022 को उनकी दुकान का बिजली कनेक्शन काट दिया गया, जबकि बिल जमा करने की अंतिम तारीख 7 अक्टूबर थी। राजकुमार ने लोकपाल के सामने तर्क दिया कि विद्युत अधिनियम की धारा 56 के तहत 15 दिन का नोटिस दिये बिना कनेक्शन काटना नियमों के खिलाफ है। कनेक्शन कटने के बाद दुकान का काम जारी रखने के लिये उन्होंने सोलर पैनल लगवा लिया और इसी से बिजली व्यवस्था चलाने लगे। राजकुमार के अनुसार 28 सितंबर को कनेक्शन काटने के बावजूद विभाग ने 28 दिसंबर 2022 को उनके खिलाफ बिजली चोरी का प्रकरण बना दिया। इसमें 52671 रुपये की मांग की गई और मामला खुरई न्यायालय में पेश किया गया। राजकुमार का कहना था कि जिस अवधि की चोरी बताई गई, उस समय कनेक्शन पहले ही काटा जा चुका था। मामले की सुनवाई के बाद एडीजे शोएब खान की अदालत ने 15 दिसंबर 2025 को राजकुमार साहू को बरी कर दिया। इसके बाद उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। राजकुमार ने 13 फरवरी 2026 को सागर लोकपाल के सामने शिकायत की। अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर 27 अप्रैल 2026 को राज्य विद्युत लोकपाल एमएम तोमर के समक्ष अपील की। सुनवाई के बाद लोकपाल ने 52671 रुपए की बिजली चोरी की मांग और 11592 रुपए की मांग को गलत माना। लोकपाल ने तत्कालीन शिकायत निवारण अधिकारी चंद्ररेखा प्रभाकर, कार्यपालन अभियंता मोहन सुल्या और कनिष्ठ अभियंता कैलाश बेलदार पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा 2 हजार रुपये केस खर्च देने और उपभोक्ता का कनेक्शन बिना री.कनेक्शन शुल्क लिये जोड़ने के निर्देश दिये हैं। कार्यपालन अभियंता मोहन सुल्या और कनिष्ठ अभियंता कैलाश बेलदार का कहना है कि बिजली चोरी का प्रकरण तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुये बनाया गया था। अधिकारियों के अनुसार लोकपाल के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की गई है। वही राजकुमार साहू ने कहा कि पूरे मामले से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है और वे मानहानि का केस भी दायर करेंगे।

युवाओं को गीता के कर्मयोग से सीख लेनी चाहिए: अविराज सिंह

सागर, देशबन्धु। युवा नेता अविराज सिंह ने कहा कि युवाओं को श्रीमद्भगवद्गीता के कर्मयोग और श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन से प्रेरणा लेकर कर्तव्य, धर्म, सदाचार और विवेक को जीवन का आधार बनाना चाहिये। उन्होंने सागर में भोपाल रोड स्थित पीतल फैक्ट्री, डीमार्ट के पास आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में सहभागिता की। इसके अलावा ग्राम बेरखेड़ी सुवंश में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा तथा सदर बाजार स्थित देवश्री जाहरवीर गोगाजी चौहान महाराज मंदिर में नवमी के अवसर पर आयोजित हवन पूजन एवं भंडारे में भी शामिल हुये। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने अर्जुन के लिये निर्णय लेने के बजाय उसके भ्रम को दूर कर विवेक और कर्तव्यबोध जागृत किया। गीता का कर्मयोग मनुष्य को परिणाम की चिंता से ऊपर उठकर उचित कर्म करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से धर्म, संस्कार, सेवा और सद्भाव को जीवन में अपनाने तथा धार्मिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक कथाओं से मिली सीख तभी सार्थक है, जब वह हमारे आचरण और व्यवहार में दिखाई दे।

धानुक समाज की बैठक में संगठन मजबूती पर जोर, नवीन पदाधिकारियों की घोषणा

सागर, देशबन्धु। धानुक समाज संगठन को मजबूत एवं व्यवस्थित करने के उद्देश्य से रविवार को मकरोनिया में समाज की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एड. मधुराज इंदौर सहित समाज के वरिष्ठजनों ने गुरु धनक मुनि के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। बैठक को संबोधित करते हुये कटनी से आये भागीरथ बंसल ने समाज को संगठित, शिक्षित एवं मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर संगठन को मजबूत करना होगा, ताकि समाज के हक और अधिकारों से जुड़े विषयों को शासन प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जा सके। बैठक में सर्वसम्मति से टीकाराम धानुक श्याम बैंड को जिलाध्यक्ष, रोशन बंसल गगन डीजे को नगर अध्यक्ष, रजनी बमनेले को महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष, प्रवीण बंसल प्रेम झनकार को सागर ब्लॉक अध्यक्ष, दिलीप संदेला दर्शन धमाल को जिला मीडिया प्रभारी तथा अभिषेक बंसल को जिला महामंत्री नियुक्त किया गया। बैठक में दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, कटनी, इंदौर एवं भोपाल से बड़ी संख्या में समाजबंधु शामिल हुये। इस दौरान समाज की एकता, संगठन के विस्तार तथा युवाओं एवं महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा हुई। समाज के हक एवं अधिकारों से जुड़े विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष बड़े आयोजन के माध्यम से समाज की बात रखने पर भी विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष डालचंद बरदेले, संभागीय संगठन मंत्री सुखदेव सिंह चौहान, भागीरथ बंसल, धर्मेंद्र बंसल, वीरेंद्र बंसल, प्रीतम बंसल, रघुवीर बंसल, राजेंद्र बंसल, उत्तम बंसल, रवि मनोज सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

अपने लेखन से समाज का हित करने का प्रयास साहित्यकार को करना चाहिए : श्रीवास्तव

सागर, देशबन्धु। साहित्यकारों को अपनी कलम के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों, भ्रष्टाचार, अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिये। कलम में बहुत शक्ति होती है और साहित्यकार को अपने लेखन के माध्यम से समाज के हित में हरसंभव प्रयास करना चाहिये। यह बात डॉ. सीताराम श्रीवास्तव भावुक ने कही। वे बुंदेलखंड हिंदी साहित्य संस्कृति विकास मंच, सागर की शनिवार को आयोजित साप्ताहिक 1653 वीं संगोष्ठी एवं ऑनलाइन 331 वीं काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। संगोष्ठी का संचालन रायसेन की चित्रा चतुर्वेदी ने किया। नागपुर, महाराष्ट्र से मंजूषा किंजवाडकर ने भक्तिभाव से मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के प्रारंभ में सागर से डॉ. नलिन निर्मल जैन ने स्वागत भाषण देते हुये सभी साहित्य मनीषियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वे ऑनलाइन काव्य गोष्ठी के प्रथम दिवस से ही इसका संचालन कर रहे हैं। प्रारंभिक दौर को स्मरण करते हुये स्व. मणिकांत चौबे को श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी उपस्थित साहित्यकारों का स्वागत किया। उन्होंने पर्यूषण पर्व और गणेशोत्सव के अवसर का उल्लेख करते हुये अपनी पंक्तियां भी प्रस्तुत की। संगोष्ठी में पृथ्वीपुर से रविशंकर बिलगैंया एवं राजेश अहिरवार सुमन, दमोह से डॉ. पुष्पा चिले, रीवा से डॉ. बारेलाल जैन लाल तथा सागर से डॉ. श्याम मनोहर सिरोठिया, नईम माहिर और पूरन सिंह राजपूत ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम में सागर के साहित्य मनीषी एलएन चौरसिया, वीरेंद्र त्रिपाठी, कृष्णकांत बख्शी, टीकमगढ़ से राजेंद्र चतुर्वेदी, संतोष श्रीवास्तव विद्यार्थी, अजय सराफ, उमाकांत मिश्र श्यामलम सहित अनेक साहित्यकार एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। अंत में रीवा से डॉ. बारेलाल जैन लाल ने सभी उपस्थित साहित्यकारों एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

माता सीरियल नवमी पर्व पर हुई पूजा अर्चना

सागर, देशबन्धु। प्राचीन देव श्री गोगाजी मंदिर, चकराघाट में रविवार 20 सितंबर को गुरु गोरखनाथ एवं देव श्री गोगाजी की पूजा अर्चना के साथ माता सीरियल नवमी पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। पुजारी सुदामा प्रसाद मछंदर ने भक्तजनों के साथ विधि विधान से पूजन कर देव श्री गोगाजी एवं माता सीरियल के नाम का गुणगान किया। पूजन के उपरांत आरती एवं वंदना की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में महेश सेठ करोसिया, महादेव करोसिया, कुलदीप वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष एचपी हारिया, सचिव सुरेंद्र महावत, सुदेश सनकत, राजेंद्र सनकत, सुदर्शन मछंदर सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

पत्रकार संघ में नई परिपाटी : कार्यकाल पूरा होते ही अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

खुरई, देशबन्धु। पत्रकार संघ खुरई की बैठक रविवार को आयोजित हुई। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, पत्रकारों के हितों और संघ की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान संघ के अध्यक्ष पं. अमित दुबे ने अपना निर्धारित कार्यकाल पूर्ण होने पर अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया। उनके इस कदम को संगठन में नई परिपाटी की शुरुआत के रूप में देखा गया। पं. अमित दुबे ने कहा कि संगठन किसी व्यक्ति या पद के लिये नहीं, बल्कि पत्रकार साथियों के हित, एकता और सहयोग के लिये होना चाहिये। उन्होंने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिये सभी पत्रकारों का आभार व्यक्त किया। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने पत्रकार साथियों के सम्मान में स्नेहभोज भी आयोजित किया। बैठक में अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया में बदलाव पर भी चर्चा हुई। नई व्यवस्था के अनुसार अध्यक्ष पद का चयन पहले से तय न होकर आगामी बैठक के एजेंडे के आधार पर किया जायेगा। एजेंडा सभी सदस्यों के बीच साझा किया जायेगा और बैठक में चर्चा के बाद उपस्थित सदस्यों की सहमति से नये अध्यक्ष का चयन किया जायेगा। अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की पहल की देशराज यादव और प्रेमनारायण तिवारी सहित उपस्थित पत्रकारों ने सराहना की। उन्होंने इसे संगठन की एकता और व्यवस्था को प्राथमिकता देने वाली पहल बताया। आगामी अध्यक्षीय चुनाव होने तक पं. अमित दुबे कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में संगठन की आवश्यक गतिविधियों का संचालन करेंगे। बैठक में दीपावली के आसपास पत्रकार सम्मेलन आयोजित करने की रूपरेखा पर भी विचार किया गया। सम्मेलन के लिये समिति गठित कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने पर सहमति बनी। सम्मेलन के बाद नये अध्यक्ष का चुनाव कराया जायेगा। बैठक में पत्रकारों के बीच आपसी समन्वय, संवाद, संगठन की मजबूती तथा पत्रकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में हरिओम शर्मा, प्रेमनारायण तिवारी, देशराज यादव, पुरुषोत्तम चौरसिया, नूर मोहम्मद सौदागर, प्रवीण नामदेव, रहीस ठाकुर, प्रशांत श्रीवास्तव, बृजेश विश्वकर्मा, नितिन पटेरिया, लियाकत खान, करतार यादव, लाखनसिंह कुर्मी, मनोज वाधवानी, परेश जैन सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

स्व. लाठ चौधरी नंदलाल की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

सागर, देशबन्धु। सागर लोकसभा के पूर्व सांसद एवं खुरई विधानसभा के पूर्व विधायक स्व. लाठ चौधरी नंदलाल की प्रथम पुण्यतिथि पर गुरु अमरदास नगर ग्राम भैंसा में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में परिवारजनों के साथ बड़ी संख्या में रिश्तेदार, इष्ट मित्र, शुभचिंतक एवं क्षेत्रवासी शामिल हुये। उपस्थितजनों ने स्व. नंदलाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनके सार्वजनिक जीवन और क्षेत्र के लोगों के साथ रहे आत्मीय संबंधों को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में उन्होंने लंबे समय तक लोगों के बीच रहकर कार्य किया। उनका सरल एवं सहज व्यवहार तथा समाज के प्रति जुड़ाव आज भी लोगों की स्मृतियों में है। उनके साथ बिताये समय और उनसे जुड़ी स्मृतियां साझा की। इस अवसर पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की गई। श्रद्धांजलि सभा का माहौल भावुक रहा और उपस्थित लोगों ने नम आंखों से स्व. नंदलाल को याद किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुनील जैन, बब्बू यादव, शिव शंकर यादव, सुरेंद्र सुहाने, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पचौरी, सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे, अभिषेक गौर, अहिरवार महापंचायत अध्यक्ष अनिल अहिरवार, रामू ठेकेदार, कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव, विनीत जैन, राजा सेन, अक्षय दुबे, चंदन सुहाने सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

सेंट पॉल ईएल चर्च में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया अस्पताल रविवार दिवस

सागर, देशबन्धु। सेंट पॉल ईएल चर्च में अस्पताल रविवार दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशेष रविवारीय आराधना के साथ हुआ, जिसमें चर्च के सदस्यों एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता रेव्हरेंड जयंत सिंह मैथ्यूज ने प्रभु यीशु मसीह के चंगाई, प्रेम और भाईचारे के संदेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मानव सेवा प्रभु की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने जरूरतमंदों और पीड़ितों के प्रति प्रेम, करुणा एवं सहयोग की भावना बनाये रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सदस्यों ने एकल गीत, समूह गीत एवं कव्वाली की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। समापन अवसर पर अर्चना लाल ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। अस्पताल रविवार दिवस के सफल आयोजन में डॉ. आरएस जयंत, डॉ. श्वेता ब्रीथल, सुदेश राघव, सचिन मसीह एवं करलेनियस इमानुएल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में चर्च के सदस्यों सहित स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े अनेक लोग उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य मानव सेवा, प्रेम एवं करुणा की भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण मे बच्चों को दिया बौद्धिक और मानसिक विकास, मोबाइल से दूरी का संदेश

सागर, देशबन्धु। रोटरी क्लब ऑफसागर नेक्सस के तत्वावधान में रविवार को कांची रेस्टोरेंट में 139 वां साप्ताहिक नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चला, जिसमें 6 बच्चों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान ऑर्बिटर अंकुर सिंह लोधी ने सभी बच्चों को शतरंज के विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरसीसी बम्हौरी बीका के सदस्य एवं कांची रेस्टोरेंट के मैनेजर रमेश राजपूत ने बच्चों को शतरंज खेलते देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बच्चे जितनी देर शतरंज खेलते हैं, उतनी देर मोबाइल से दूर रहते हैं। शतरंज खेलने से बच्चों के बौद्धिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम में रो. वीनू शमशेर जंग बहादुर राणा एड., सचिव अजय उपाध्याय, एड. आशुतोष आनंद राजपूत, देवी सिंह, शोभित सिंह एवं आरके टेकम की उपस्थिति रही। इस अवसर पर शोभित सिंह राजपूत ने मुख्य अतिथि रमेश राजपूत का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। रोटरी क्लब ऑफ सागर नेक्सस ने बताया कि नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रत्येक रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक कांची रेस्टोरेंट में आयोजित किया जाता है।

शिवजी का छत्र लेकर भागे बदमाश

सागर, देशबन्धु। देवरी थाना क्षेत्र के संजय नगर में स्थित पशुपतिनाथ फूटा मंदिर स्थित शिव जी के ऊपर लगे छत्र को अज्ञात चोरों द्वारा चुरा लिया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। जानकारी अनुसार 16 सितंबर की रात्रि करीब 4 बजे के आसपास अज्ञात दो चोरों ने मंदिर में धाबा बोला और मंदिर के गेट में लगा ताला तोड़कर अंदर घुसते हुये शिवजी के ऊपर लगे छत्र को चुरा ले गये। पूरे घटनाक्रम की जानकारी मोहल्ले के लोगों ने देवरी पुलिस थाना में लिखित शिकायत देकर की है। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध कराये गये हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत देने और घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी देवरी पुलिस ने घटनास्थल मंदिर पर पहुंचने की जहमत तक नहीं उठाई ना ही मामले में किसी भी प्रकार की कोई पंचनामा कार्यवाही की गई। मंदिर में पूजा करने वाले पुजारी एवं गांव के अन्य श्रद्धालुओं का कहना है कि चोरों की निडरता इतनी बढ़ गई है कि अब भगवान के घर को भी नहीं बख्श रहे हैं। जहां एक और पुलिस अधीक्षक अपराध को रोकने के लिए संपूर्ण जिले में मुहीम चला रहे हैं। वहीं दूसरी ओर देवरी थाना क्षेत्र में चोरों को पुलिस का जरा भी खौफ नहीं है, यहां चोर बेफिक्र होकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

गणेश पंडाल में नन्हे हाथों ने उकेरे कल्पना के रंग, पेंसिल चित्रकला वर्कशॉप में बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

सागर, देशबन्धु। राजघाट रोड, तिली स्थित सनराईस रेसीडेंसी कॉलोनी में सार्वजनिक श्री गणेशोत्सव श्रद्धा, उत्साह और विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों के साथ मनाया जा रहा है। गणेशोत्सव के दौरान बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में रविवार को रंग आर्ट इंस्टीट्यूट-रंग के साथी ग्रुप के सहयोग से बच्चों के लिये सामूहिक पेंसिल चित्रकला वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में चित्रकला प्रशिक्षक असरार अहमद एवं अंशिता बजाज वर्मा ने बच्चों को पेंसिल चित्रकला की बुनियादी तकनीकों की जानकारी दी। बच्चों ने अपनी पसंद के चित्र बनाये और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में अपनी कल्पनाशीलता व रचनात्मकता को कागज पर उकेरा। गणेश पंडाल में आयोजित इस गतिविधि में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें धैर्य शर्मा, धरावी शर्मा, शिवन्या वर्मा, भारती परिहार, अर्नवी अग्रवाल, दीपिका नापित, आरव राय, शिवेश सक्सेना, श्रेयस सराफ, पूर्वेश सक्सेना, कृष्णवी पाटीदार, अनिका गुप्ता, शिवांजय सक्सेना, अवनी पटेल, ऋषिका, अंशिका त्रिपाठी सहित अन्य बच्चों ने सहभागिता की। बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिये वर्कशॉप में सहभागी बच्चों को पुरस्कार भी वितरित किये गये। कार्यक्रम में कॉलोनीवासियों ने चित्रकला प्रशिक्षक असरार अहमद एवं अंशिता बजाज वर्मा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक श्यामा संजय तिवारी, शिखा एडवोकेट, धीरेंद्र शर्मा, समिति सचिव कामता प्रसाद सोनी एवं राजेंद्र कुमार शुक्ला ने प्रशिक्षकों का फूल मालाओं एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। कॉलोनीवासियों ने कहा कि गणेशोत्सव के धार्मिक आयोजनों के साथ बच्चों के लिये इस तरह की रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक है।

शराब दुकान में घुसी भीड़, बोतलें फोड़ी

मैनेजर ने बताया - 20 से 25 लाख का नुकसान, महिलाएं बोलीं- घरों में होते हैं विवाद

बीना, देशबन्धु। बंडा में जहरीली शराब से मौतों के बाद पूरे जिले में ग्रामीण शराब दुकानों को हटाने की मांग को लेकर विरोध तेज हो गया है। इसी कड़ी में रविवार को बीना क्षेत्र के बारधा गांव में ग्रामीणों का गुस्सा शराब दुकान पर फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों और महिलाओं ने दुकान पहुंचकर हंगामा किया और दुकान में रखी शराब की बोतलें तोड़ दी। इस दौरान दुकान के सीसीटीवी कैमरों में भी तोड़फोड़ हुई। घटना की सूचना मिलते ही बीना एसडीओपी अजय कुमार सनकत, थाना प्रभारी अनूप यादव सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने हंगामा कर रही भीड़ को वहां से हटाया। घटना के बाद शराब दुकान के मैनेजर ने ग्रामीणों के प्रदर्शन के पीछे ग्राम पंचायत के सरपंच राम नरेश सिंह राजपूत पर आरोप लगाये हैं। मैनेजर का कहना है कि सरपंच ने उनसे रुपये मांगे थे। वही सरपंच राम नरेश सिंह राजपूत ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उन्होंने कहा कि शराब दुकान को सड़क किनारे से हटाने और अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया गया था। ग्रामीण इमरती बाई अहिरवार, निशा कुशवाहा और विमला बाई अहिरवार ने बताया कि गांव में शराब दुकान होने के कारण पुरुष आये दिन शराब पीकर घर और गांव में विवाद करते हैं। उनका कहना है कि शराब का असर बच्चों पर भी पड़ रहा है और कुछ बच्चे भी इसकी लत की ओर बढ़ रहे हैं। महिलाओं के अनुसार शराब की वजह से गांव का माहौल खराब हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि शराब दुकान को गांव से हटाने की मांग पहले भी प्रशासन से की गई थी। लेकिन कार्रवाई

न होने पर रविवार को महिलाओं और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। शराब दुकान के मैनेजर राहुल सेन ने आरोप लगाया कि वे दुकान पर बैठे हुये थे, तभी सरपंच राम नरेश सिंह राजपूत बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ वहां पहुंचे। उनके अनुसार भीड़ दुकान के अंदर घुस गई और शराब की बोतलें उठाकर फेंकना शुरू कर दिया। महिलाओं ने भी दुकान में तोड़फोड़ की और सीसीटीवी कैमरों को नुकसान पहुंचाया। मैनेजर के मुताबिक प्रदर्शन के दौरान दुकान में रखी करीब 20 से 25 लाख रुपये कीमत की शराब की बोतलें तोड़ दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि दुकान में रखे करीब 40 से 45 हजार रुपये भी लोग ले गये। मैनेजर ने कहा कि भीड़ इतनी उत्तेजित थी कि दुकान में मौजूद कर्मचारियों के लिये खुद को सुरक्षित रखना मुश्किल हो गया था। मैनेजर राहुल सेन और बंटी श्रीवास ने सरपंच पर शराब दुकान चलाने के एवज में रुपये मांगने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि 15 अगस्त को सरपंच करीब सात घंटे तक दुकान पर बैठे रहे और पंचायत के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में मिठाई के लिये 40 हजार रुपये की मांग की। दबाव में उन्हें 10 हजार रुपये दिये गये। मैनेजर के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले भी सरपंच ने दुकान चलाने के लिये एक लाख रुपये की मांग की थी। आरोप है कि रुपये नहीं देने पर दुकान बंद कराने और हंगामा कराने की धमकी दी गई थी। मैनेजर का दावा है कि रविवार की घटना इसी विवाद का परिणाम है। वही सरपंच राम नरेश सिंह राजपूत ने शराब दुकान के मैनेजर के आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि शराब दुकान सड़क के पास स्थित है, जिसके कारण आये दिन दुर्घटनायें होती हैं और कई लोगों की जान भी जा चुकी है। सरपंच के अनुसार 15 अगस्त को भी दुकान से अवैध रूप से शराब बेचे जाने की सूचना उन्होंने पुलिस को दी थी। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा पकड़ी गई शराब के मामले को लेकर दुकान संचालक पक्ष के लोग रुपये लेने के आरोप लगा रहे हैं, जो पूरी तरह गलत हैं। सरपंच ने दावा किया कि रविवार को महिलाओं ने शराब दुकान पर प्रदर्शन किया था और वह बाद में मौके पर इसलिये पहुंचे ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। घटना के बाद जब एसडीओपी अजय कुमार सनकत से मामले में बयान मांगा गया तो उन्होंने थाना प्रभारी अनूप यादव से जानकारी लेने की बात कही। वहीं थाना प्रभारी से बयान लेने पर उन्होंने एसडीओपी से बयान लेने को कहा। दोनों अधिकारी मामले में बयान देने से बचते नजर आये और एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते रहे।

वैदिक वाटिका में गरबा महोत्सव की तैयारियां तेज, 90 बच्चे कर रहे अभ्यास

आकर्षक पुरस्कारों से प्रतिभागियों में बढ़ा उत्साह

सागर, देशबन्धु। उपनगरीय क्षेत्र मकरोनिया में नवरात्रि पर्व को लेकर भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह का माहौल बनने लगा है। बटालियन के पीछे स्थित वैदिक वाटिका परिसर में इस वर्ष भी वैदिक रास गरबा महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं और बालक-बालिकाओं द्वारा गरबा नृत्य का नियमित अभ्यास किया जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार करीब 90 बालक-बालिकायें प्रतिदिन गरबा नृत्य का प्रशिक्षण ले रहे हैं। शाम होते ही वैदिक वाटिका परिसर में पारंपरिक गरबा गीतों की धुन पर बच्चों की टोली अभ्यास करती नजर आती है। प्रतिभागी नृत्य की बारीकियां सीखने के साथ प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिये लगातार मेहनत कर रहे हैं। प्रतिभागियों के उत्साह को बढ़ाने के लिये आयोजन समिति द्वारा आकर्षक पुरस्कार भी रखे जा रहे हैं। पिछले वर्ष प्रथम पुरस्कार के रूप में स्कूटी प्रदान की गई थी, जबकि एलईडी टीवी सहित अन्य उपयोगी उपहार भी प्रतिभागियों को दिये गये थे। इस वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार दिये जाने की तैयारी है। वैदिक वाटिका में आयोजित होने वाला यह गरबा महोत्सव अब चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। पिछले तीन वर्षों में इस आयोजन ने क्षेत्र में अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान बनाई है। नवरात्रि के दौरान यहां मां दुर्गा की आराधना के साथ भारतीय लोक संस्कृति और पारंपरिक गरबा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। आयोजन समिति का कहना है कि ऐसे आयोजन बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के साथ ही नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

किरण बुआ बनी मानव अधिकार संरक्षण व जनकल्याण संगठन की प्रदेश अध्यक्ष

सागर, देशबन्धु। मानव अधिकार संरक्षण एवं जनकल्याण संगठन में किरण बुआ को प्रदेश अध्यक्ष तृतीय जेंडर, मप्र के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रजेश श्रीवास्तव की अनुशंसा पर संगठन की नीति एवं नियमों के अनुसार की गई। नियुक्ति के बाद संगठन के पदाधिकारियों ने किरण बुआ को नई जिम्मेदारी के लिये शुभकामनाएं दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रजेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सचिव दुष्यंत मिश्रा एड., राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग अर्चना तिवारी एड., राष्ट्रीय सहसचिव प्रदीप तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश अर्जुन मौर्य तथा प्रदेश सचिव गजानंद सोनी सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनायें दी। संगठन ने उम्मीद जताई कि किरण बुआ नई जिम्मेदारी के माध्यम से तृतीय जेंडर समुदाय सहित समाज के वंचित वर्गों के मानवाधिकार एवं जनकल्याण से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में योगदान देंगी।

करणी सेना विवाद के बाद भाजपा खेमे में उठे सवाल

जनपद अध्यक्ष, सरपंच संघ अध्यक्ष की सोशल मीडिया पोस्ट और क्षत्रिय समाज मंडल अध्यक्ष के इस्तीफे से सियासी हलचल तेज

सागर, देशबन्धु। करणी सेना से जुड़े विवाद और पुलिस कार्रवाई के बाद सागर की सियासत में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। शनिवार को दामोदर यादव की सभा के विरोध में करणी सेना कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का मुक्की हुई। इसके बाद पुलिस द्वारा बल प्रयोग और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिये जाने की जानकारी सामने आई। घटनाक्रम के बाद अब भाजपा से जुड़े स्थानीय नेताओं और पदाधिकारियों की सोशल मीडिया पोस्ट तथा इस्तीफे को लेकर राजनीतिक चर्चायें तेज हो गई हैं। जनपद अध्यक्ष ब्रजेन्द्र सिंह रामबाबू नयाखेड़ा, जैसीनगर सरपंच संघ अध्यक्ष एवं गेहूंरास बुजुर्ग पंचायत के सरपंच डॉ. हेमंत सिंह तथा क्षत्रिय समाज मंडल अध्यक्ष प्रमेन्द्र सिंह सागौनी की सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर स्थानीय राजनीतिक हलकों में तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इन घटनाक्रमों के राजनीतिक प्रभाव को लेकर संबंधित पक्षों की ओर से विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है। जैसीनगर सरपंच संघ अध्यक्ष डॉ. हेमंत सिंह ने रविवार को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने

की घोषणा की। रविवार सुबह दूरभाष पर हुई बातचीत में उन्होंने कहा कि उनका परिवार लंबे समय से जनसंघ से जुड़ा रहा है और उनका भाजपा से भी पुराना जुड़ाव रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से पार्टी की मौजूदा नीतियों को लेकर उनकी असहमति बढ़ी है। डॉ. सिंह ने कहा कि भारत में अलग-अलग जाति, वर्ग, भाषा और धर्म के लोग लंबे समय से साथ रहते आये हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक स्तर पर पहले धर्म और अब जाति के आधार पर विभाजन की स्थिति पैदा की जा रही है। उनके अनुसार राजनीतिक लाभ के लिये बढ़ता जातिगत विभाजन ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक वातावरण और आपसी सौहार्द को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि गांवों में विभिन्न समाजों के लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते हैं और राजनीतिक विवादों का असर सामाजिक संबंधों पर नहीं पड़ना चाहिये। डॉ. सिंह ने अपनी असहमति को भाजपा की वर्तमान नीतियों से जोड़ते हुये पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की बात कही। करणी सेना के प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई के बाद सामने आई सोशल मीडिया पोस्ट तथा इस्तीफे ने स्थानीय भाजपा संगठन के भीतर की स्थिति को लेकर चर्चा बढ़ा दी है। करणी सेना से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाये हैं। इसके चलते राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर घटनाक्रम को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इन नेताओं के रुख का स्थानीय भाजपा संगठन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। आने वाले दिनों में पार्टी संगठन की प्रतिक्रिया और संबंधित नेताओं के अगले कदम पर राजनीतिक नजरें टिकी हैं। सागर में अब चर्चा इस बात को लेकर है कि करणी सेना विवाद के बाद उठी ये आवाजें स्थानीय असंतोष तक सीमित रहती हैं या इनका असर भाजपा के संगठनात्मक समीकरणों पर भी दिखाई देता है।

सेवा संकल्प अभियान में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता आयोजित

सीहोरा, देशबन्धु। स्थानीय पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने विकसित भारत की संकल्पना पर चित्रकला एवं भाषण के माध्यम से देश की प्रगति और विकास को रेखांकित किया। निर्णायक मंडल द्वारा चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जायेगा। वही 22 सितंबर से संकुल स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जायेगा। प्राचार्य एसआर पटेल ने प्रतियोगिता का निरीक्षण कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ उनमें रचनात्मकता और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुये अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

सीएमसीएलडीपी कक्षाओं का शुभारंभ, विद्यार्थियों को वितरित की किताबें

शाहगढ़, देशबन्धु। मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड शाहगढ़ के तत्वावधान में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम सीएमसीएलडीपी की कक्षाओं का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम की जानकारी विद्यार्थियों को दी गई तथा पुस्तकों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, मेंटर्स, प्रस्फुटन समितियों एवं नवांकुर संस्थाओं से संबंधित समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की गई। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं शुद्धता का संदेश देने के उद्देश्य से माटी के गणेश एवं सिद्ध गणेश निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विद्यार्थियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमायें बनाने का अभ्यास कराया तथा पर्यावरण अनुकूल मूर्तियों के उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। मप्र जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक दिनेश कुमार उमरिया के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक ज्योति मिश्रा ने विद्यार्थियों को सामुदायिक नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी जानकारी दी। कार्यक्रम में परामर्शदाता बाबूलाल अहिरवार, राजकुमार लोधी, नीलेश तिवारी, डॉ. हीरा अहिरवार, लखन विश्वकर्मा सहित एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन किशन अहिरवार ने किया।

अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने की मांग

देवरीकलां, देशबन्धु। बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के बाद अब देवरी क्षेत्र में भी गांव-गांव बिक रही अवैध शराब को लेकर विरोध के स्वर उठने लगे हैं। अवैध शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा जिला सागर के कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंपा। रैली पंचमुखी हनुमान मंदिर से शुरू हुई जो नगर के मुख्य मार्गों से होते हुये थाना परिसर पहुंची। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में

अवैध रूप से बिक रही शराब पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की। रैली में बड़ी संख्या में महिलायें और पुरुष शामिल हुये। ज्ञापन में संगठन ने कहा कि पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम एवं भगवती मानव कल्याण संगठन योगीराज शक्तिपुत्र के आशीर्वाद एवं दिशा निर्देशन में गांव-गांव जाकर लोगों को नशामुक्त, मांसाहार मुक्त, चरित्रवान एवं चेतनावान बनाने के साथ राष्ट्ररक्षा, धर्मरक्षा एवं मानव सेवा के लिए कार्य कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि क्षेत्र के कई गांवों में अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है। इससे युवा सहित अन्य लोग नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं और परिवारों में विवाद तथा महिलाओं के साथ प्रताड़ना जैसी समस्यायें सामने आ रही हैं। संगठन ने शराब के कारण दुर्घटना, मारपीट, चोरी सहित अन्य गंभीर घटनाओं की आशंका भी जताई। बंडा में जहरीली शराब से हुई मौतों की घटना का हवाला देते हुये कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिये अवैध शराब के खिलाफ समय रहते सख्त कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से गांव-गांव में अवैध शराब की बिक्री की जानकारी जुटाकर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा अवैध बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में वीरन शर्मा, विशाल राजपूत, अरविंद दीक्षित, जितेंद्र राजपूत, परषोत्तम वैस, नेतराज सिंह, लखन भुजवल सहित बड़ी संख्या में महिलायें और पुरुष कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जवाहरगंज वार्ड में कल से नई पाइपलाइन से होगी पेयजल की आपूर्ति

सागर, देशबन्धु। नगर निगम द्वारा जवाहरगंज वार्ड के वन-वे, भीतर बाजार सहित संबंधित क्षेत्रों में पुरानी पाइपलाइन से जलप्रदाय बंद कर 22 सितंबर से टाटा प्रोजेक्ट्स द्वारा बिछाई गई नवीन पाइपलाइन से पेयजल आपूर्ति प्रारंभ की जायेगी। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि जिन उपभोक्ताओं के नवीन नल कनेक्शन टाटा प्रोजेक्ट्स द्वारा नहीं किये गये हैं, वे नवीन नल कनेक्शन के लिये नगर निगम के जलप्रदाय कार्यालय में नियमानुसार आवेदन करें। जिन नागरिकों के पास पुराने नल कनेक्शन की जलकर चुकता रसीद उपलब्ध है, वे जलकर की चुकता रसीद, आधार कार्ड, संपत्ति कर की चुकता रसीद एवं मोबाइल नंबर प्रस्तुत कर नवीन नल कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं। नगर निगम ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे समय रहते आवश्यक दस्तावेज जमा कर नवीन नल कनेक्शन प्राप्त कर लें, ताकि नवीन पाइपलाइन से जलप्रदाय प्रारंभ होने के बाद किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पटवा वैश्य महासभा का मिलन समारोह संपन्न

सागर, देशबन्धु। अखिल भारतीय श्री पटवा वैश्य महासभा जिला सागर के तत्वावधान में रविवार को धर्मश्री स्थित बालाजी मंदिर अन्नपूर्णा भवन में समाजबंधुओं एवं नवगठित जिला कार्यकारिणी का मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्रीकांत पटवा मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चंद्रकांत पटवा, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल पटवा, प्रदेश महामंत्री मदनगोपाल पटवा, प्रदेश उपाध्यक्ष सागर संभाग बीरेन्द्र पाटकर तथा प्रदेश सह. कोषाध्यक्ष हरीश पाटकर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां महागौरी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। श्रीकांत पटवा ने कहा कि नवगठित जिला कार्यकारिणी समाज के विकास, शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण के कार्यों को नई दिशा देने का कार्य करेगी। उन्होंने समाज में एकजुटता बनाये रखने के साथ युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। समारोह में जिलाध्यक्ष पंकज पाटकर, संयोजक एड.नीतेश पाटकर, उपाध्यक्ष इंजी. राघवेंद्र पाटकर एवं हरिश पटवा, सचिव मनीष कुमार पटवा, सह.सचिव डॉ. प्रदीप पाटकर, संगठन मंत्री मनीष पटवा, कोषाध्यक्ष नीलेश पटवा, मीडिया प्रभारी कृष्णकांत पाटस्कर सहित कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। जिला संरक्षक मंडल में राजकुमार पाटकार, राजू पाटकार एवं नारायण प्रसाद पटवा शामिल हैं। कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, युवा एवं पदाधिकारी शामिल हुये। अंत में पंकज पाटकर एवं पदाधिकारियों ने अतिथियों तथा समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण और भागवत कथा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

सागर, देशबन्धु। पीतल फैक्ट्री परिसर में चल रहे असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के द्वितीय दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुये। श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर भगवान शिव का नाम जाप किया। इसके बाद विद्वान पंडितों द्वारा विधि विधान से रुद्राभिषेक संपन्न कराया गया। पूरे परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा। रुद्राभिषेक के उपरांत गृहस्थ संत डॉ. अनिल प्रभाकर त्रिपाठी बड़े भैया कूड़ा वालों के मुखारबिंद से श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया गया। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि भगवान राम और श्रीकृष्ण को जानने के लिये उनके चरित्र और आदर्शों को समझना आवश्यक है। ईश्वर सदैव अपने भक्तों का कल्याण करते

हैं, लेकिन इसके लिये मनुष्य का आचरण सात्विक एवं धार्मिक होना चाहिये। कथा श्रवण का वास्तविक फल तभी प्राप्त होता है, जब व्यक्ति के मन में दया, सेवा और समर्पण की भावना हो। माता-पिता का आशीर्वाद और परमपिता परमात्मा की कृपा भी ऐसे ही भावों से प्राप्त होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धार्मिक आयोजनों के माध्यम से अपने जीवन में सदाचार और सेवा भाव को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विधायक शैलेन्द्र जैन, आयोजक मोहन कुशवाह, पं. केशव महाराज, डॉ. सुनील त्रिपाठी, सुरेन्द्र सुहाने, सुखदेव मिश्रा, नेवी जैन, अभिराज सिंह ठाकुर, लाखन सिंह ठाकुर, नारायण कबीरपंथी, लक्ष्मण ठाकुर, देवेन्द्र गौर, सिंटू कटारे, अखिलेश गौर, माधव कटारे, प्रदीप दुबे, अभिषेक गौर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मनुष्य को कभी कठोर वचन नहीं बोलने चाहिए : मुनिश्री

सागर, देशबन्धु। वर्धमान कॉलोनी में विराजमान मुनि श्री पद्मसागर एवं क्षुल्लक श्री तात्पर्यसागर के पावन सानिध्य में दशलक्षण महापर्व के पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। आचार्य श्री विद्यासागर संस्कार केंद्र पाठशाला परिवार के शिक्षकों ने ग्रंथराज तत्त्वार्थ सूत्र के सूत्रों का मधुर एवं भक्तिभाव से वाचन किया। इसके पश्चात मुनिश्री ने सूत्रों

का सरल एवं मार्मिक अर्थ समझाते हुये श्रद्धालुओं को तत्त्वज्ञान से लाभान्वित किया। मुनि श्री पद्मसागर ने उत्तम सत्य धर्म का मर्म समझाते हुये कहा कि मनुष्य को कभी भी कठोर या कड़वे वचन नहीं बोलने चाहिये। परनिंदा और असत्य वचनों का त्याग करना ही सच्चे धर्म का स्वरूप है। सत्य का आश्रय लेने वाला व्यक्ति ही वास्तविक सुख और शांति प्राप्त करता है। जीवन में किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिये। असत्य बोलने वाले व्यक्ति पर उसके अपने भी विश्वास नहीं करते, जबकि सत्यवादी व्यक्ति पर सभी अटूट विश्वास रखते हैं। सत्य के महत्व को समझाते हुये उन्होंने पौराणिक राजा वसु और नारद का दृष्टांत सुनाया। उन्होंने कहा कि राजा वसु एक झूठ के कारण उच्च पद से गिरकर नरक गति को प्राप्त हुये, जबकि सत्य के मार्ग पर चलने वाले नारद स्वर्गलोक को प्राप्त हुये। मुनिश्री ने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि असत्य वचन पुण्यों का क्षय करते हैं। इसलिये जीवन में वचन.गुप्ति धारण कर सदैव सत्य धर्म का पालन करना चाहिये।

70 वीं राज्य स्तरीय शालेय बैडमिंटन प्रतियोगिता का रंगारंग समापन

अनुशासन से खेलने वाला खिलाड़ी हमेशा ऊंचाइयां प्राप्त करता है: संयुक्त संचालक

सागर, देशबन्धु। अनुशासन के साथ खेलने वाला खिलाड़ी हमेशा सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त करता है और अपने जिले व प्रदेश का नाम रोशन करता है। यह बात संयुक्त संचालक लोक शिक्षण शत्रुंजय प्रताप सिंह विशेन ने 70 वीं राज्य स्तरीय शालेय बैडमिंटन प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कही। उन्होंने प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुये कहा कि अब चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मप्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिये शुभकामनायें दीं। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने कहा कि मप्र शासन द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के साथ विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिये सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से पढ़ाई के साथ खेलों में भी निरंतर मेहनत करने और प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। सहा. संचालक मृत्युंजय कुमार सिंह ने

स्वागत भाषण देते हुये प्रतियोगिता की जानकारी प्रस्तुत की। सहा. संचालक डॉ. आशुतोष गोस्वामी ने कहा कि प्रतियोगिता में पराजित खिलाड़ियों को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें अपनी कमियों से सीख लेकर और अधिक मेहनत करनी चाहिये, जबकि विजेता खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिये तैयारी करें। समापन समारोह की शुरुआत संदीपनी विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। कार्यक्रम में सहा. संचालक मनीषा एलेक्जेंडर, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से राजेश जैन, जिला खेल अधिकारी संजय दादर, प्राचार्य विनय दुबे, अंजना पाठक, मनीष नेमा, अखिलेश मिश्रा, शशिभूषण तिवारी सहित विभिन्न संभागों के अधिकारी, कोच, मैनेजर एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। संचालन मुकेश तिवारी एवं रचना तिवारी ने किया तथा आभार मनीषा एलेक्जेंडर ने व्यक्त किया। प्रतियोगिता में 14 वर्ष बालिका वर्ग में मांडवी गांधी इंदौर, 14 वर्ष बालक वर्ग में अविनेश नेक्या इंदौर, 17 वर्ष बालिका वर्ग में मुस्कान जाट इंदौर तथा 17 वर्ष बालक वर्ग में काव्या इंदौर को बेस्ट प्लेयर ऑफटूर्नामेंट चुना गया।

देशबन्धु

सागर, सोमवार, 21 सितम्बर 2026

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

नए रंगों में छात्रों की गूंज

इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम की जबरदस्त सफलता ने भाजपा के समूचे तंत्र को हिला कर रख दिया है। राहुल गांधी युवाओं को उम्मीद बंधाने वाले अपने इस कार्यक्रम में हर बार एक नया रंग जोड़ रहे हैं। इंदौर में राहुल गांधी ने दुख, करुणा, हास्य-व्यंग्य, क्रोध तमाम भावनाओं का समावेश अपने संबोधन में किया। कोटा में जब राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज का पहला कार्यक्रम किया था तो राजनीति पर बात करने से इंकार कर दिया था। फिर देहरादून में उस वक्त यह कार्यक्रम हुआ, जब जंतर-मंतर पर भी आंदोलन चल रहा था। अपने मंच पर राहुल ने नीट पेपर लीक की शिकार छात्रा के पिता को बुलाया, उनका दुख साझा किया। प्रयागराज में राहुल गांधी ने देश की युवा शक्ति का जिक्र किया, और कहा कि अमेरिका, चीन और रूस कोई भी भारत के युवाओं की संभावना का मुकाबला नहीं कर सकता। पुणे में राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज को पूरी तरह लड़कियों की आवाज उठाने का मंच बनाया। और अब इंदौर में राहुल गांधी ने छात्रों के भविष्य की बात करने के साथ इस व्यवस्था पर प्रहार किया, जो युवाओं की राह में रोड़ा बन चुकी है। पुणे में राहुल गांधी ने मनुस्मृति पर प्रहार किया था और उदाहरण दिए थे कि मोहन भागवत, नरेन्द्र मोदी समेत कई भाजपा नेताओं की सोच कितनी संकुचित है। वहीं इंदौर में राहुल गांधी ने भाजपा और संघ की बनाई व्यवस्था पर प्रहार करने के लिए नरेन्द्र मोदी, मोहन भागवत, अमित शाह, अजित डोभाल, मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, जैसों का चेहरा पहली पंक्ति में लगाकर नीचे की पंक्ति में योगी आदित्यनाथ, मोहन यादव, ज्ञानेश कुमार, रामदेव, कंगना रानौत, पत्रकारों में अर्णव गोस्वामी, रजत शर्मा जैसे चेहरों को भी उजागर किया कि किस तरह इन तमाम लोगों ने मिलकर एक ऐसा सिस्टम तैयार किया है, जो छात्रों के खिलाफ है।

राहुल गांधी ने बता दिया कि छात्र यानी स्टूडेंट और अंधभक्तों के बीच का फर्क समझाया और बताया कि कैसे भाजपा का बनाया सिस्टम अंधभक्तों को बढ़ा रहा है। 2014 से ही देश देख रहा है कि नरेन्द्र मोदी को सत्ता पर बिठाने के लिए भाजपा और संघ को अंधभक्तों की जरूरत थी, ताकि जब संविधान को तार-तार करने के लिए न्यायपालिका, चुनाव आयोग, संसद समेत सारे मंचों का दुरुपयोग किया जाए तो कोई सवाल न करे। पिछले बारह सालों से यही देश में हो भी रहा है। मोदी ने सत्ता में आने से पहले हर साल दो करोड़ रोजगार का वादा किया था, मगर बेरोजगारी 45 सालों में सबसे उच्च स्तर पर जा पहुंची, तो अंधभक्तों ने सवाल नहीं किया। जिन छात्रों ने सवाल किया, उनके साथ भाजपा ने क्या किया, ये उमर खालिद जैसे उदाहरणों से समझा जा सकता है। मोदी ने सत्ता में आने के दो साल बाद ही नोटबंदी कर दी और नकदी रहित अर्थव्यवस्था के नाम पर यूपीआई को बढ़ावा दिया, अब अमेरिका के दबाव में यूपीआई पर भी शुल्क लगाने का फैसला लिया, जिसके बाद छोटे-बड़े सारे दुकानदार अब यूपीआई से भुगतान लेने से इंकार कर रहे हैं। अंधभक्त फिर भी सवाल नहीं करेंगे कि नोटबंदी से आखिर देश को क्या मिला। मोदी ने लोगों से कहा कि तेल का इस्तेमाल कम करो, लेकिन अपने जन्मदिन पर करोड़ों रुपयों का तेल दिए जलवाने में फुंकवा दिया, अंधभक्त फिर भी सवाल नहीं करेंगे कि मोदीजी आपकी कथनी और करनी में इतना अंतर क्यों है।

अपने मंच से राहुल गांधी ने शनिवार को यही सच पूरे देश को फिर से दिखाया। इसके साथ ही राहुल गांधी ने हाल ही में दिल्ली में सत्य निकेतन इलाके में बहुमंजिला इमारत के गिरने और उसमें निर्दोष छात्रों की मौत पर भी सरकार को घेरा। इस घटना के बाद छात्रों में भाजपा के लिए, पहले ही काफी नाराजगी है, क्योंकि उनके लिए छात्रावास की व्यवस्था नहीं है, इसलिए बच्चों को दड़बेनुमा कमरों में भारी किराए के साथ रहना पड़ता है। और बदले में जान जोखिम में डालनी पड़ती है। राहुल ने इस घटना में मृत एक युवा के परिजनों के साथ मंच पर उनका दुख साझा किया। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि उस समय वहां मौजूद कई युवाओं की आंखें नम हो गई थीं। ऐसी संवेदनशीलता ही नागरिकों के बीच एकता बनाए रखती है। संवेदनहीन राजनीति करने वाली भाजपा बार-बार इस एकता को कुचलना चाहती है। लेकिन राहुल गांधी उसकी इस कोशिश के सामने बड़ी चट्टान की तरह खड़े हुए हैं, यह भाजपा के लिए काफी तकलीफदेह है।

राहुल गांधी ने भाजपा की तकलीफ बढ़ाने वाला एक और काम इंदौर में किया। हास्य कलाकार पुलकित मणि राहुल गांधी के मंच पर आए और उन्होंने जबरन गले मिलने, ही-ही-खी-खी करने, फ्रैंड्स कहने जैसे कुछ अभिनय किए, जिस पर अब भाजपा तिलमिलाई हुई है। उनके हास्य अभिनय में कहीं नरेन्द्र मोदी या उनकी स्वर्गीया मां का नाम नहीं लिया गया, मगर भाजपा के सारे मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, भाजपा खेमे के पत्रकार और अब तक खुद को निष्पक्ष बताने वाले पत्रकार भी राहुल गांधी की नीयत और नैतिकता पर सवाल उठाने लगे। संभवत: हरिशंकर परसाई ने कहा था कि तानाशाह मसखरों से डरता है, क्योंकि वे उसकी भव्यता के गुब्बारे में सुई चुभो देते हैं। यही बात अब सच साबित हो रही दिखी। नेहरूजी से लेकर डा.मनमोहन सिंह तक तमाम प्रधानमंत्रियों को व्यंग्यकारों ने अपने निशाने पर लिया है। लेकिन इसमें व्यंग्यकारों या कलाकारों की देशभक्ति पर सवाल नहीं उठे, न इनसे देश की प्रतिष्ठा धूमिल हुई। अभिव्यक्ति की आजादी चयनित तरीके से नहीं दी जा सकती। मगर मोदी सरकार का सिस्टम सबको डरा-धमका कर रखना चाहता है।

मगर ये डर अब खत्म हो चुका है, ये इंदौर में नजर आया। राहुल के साथ मंच साझा करने वाले लोगों ने एक बार फिर बेझिझक, बेखौफ होकर बातें कीं। राहुल गांधी के समर्थक और प्रशंसक तो उनके इस अंदाज के मुरीद हैं ही कि वे कितनी सहजता से आम लोगों में घुल मिल जाते हैं। जबकि वे पांच बार से सांसद निर्वाचित हो रहे हैं, इस समय नेता प्रतिपक्ष हैं और उनके परिवार से तीन व्यक्ति देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। राहुल के विरोधी भी उनकी इस सहजता की काट नहीं ढूंढ पाते हैं, इसलिए उनकी छवि खराब करने की कोशिशें की जाती हैं। 2004 से जब से राहुल गांधी सक्रिय राजनीति में उतरे हैं, उन्हें शहजादा, वंशवाद का प्रतीक, पप्पू, पार्टटाइम राजनेता और न जाने कितने अपमानजनक शब्दों की चोट पहुंचाई गई। मगर अब जनता ही देख रही है कि राहुल गांधी का सच क्या है।

राहुल मेहनत कर रहे हैं और कांग्रेसी उस पर पानी फेर रहे

कांग्रेसी चाहते हैं राहुल चक्रव्यूह तोड़ दें। राहुल तोड़ सकते हैं। मगर राहुल उसे तोड़कर बाहर निकलना भी चाहते हैं। कांग्रेसियों को इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं है कि राहुल चक्रव्यूह तोड़कर बाहर आएं। उन्हें केवल राहुल से चक्रव्यूह तुड़वाना है। क्योंकि उनमें से न तो कोई तोड़ सकता है न तोड़ना चाहता है।

राहुल को आप चाहे जितना अव्यवहारिक या आदर्शवादी कहें मगर इतना वह जानते हैं कि आज के समय केवल चक्रव्यूह तोड़ना ही महत्वपूर्ण नहीं है। तोड़कर बाहर निकलना भी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल ने यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जो कौरवों ने अभिमन्यु के साथ किया था वही अब मोदी सरकार कर रही है। महाभारत में कौरव कामयाब हुए थे। अभिमन्यु को घेर कर मार लिया था। लेकिन अब अभिमन्यु मरेगा नहीं। चक्रव्यूह बेधेगा और बाहर भी आएगा।

राहुल ने यह बिल्कुल नया कान्सेप्ट दिया है। इससे पहले चक्रव्यूह बेधने की ही बात होती थी। मगर राहुल ने आज के समय के अनुसार उससे सुरक्षित बाहर निकलने की जो बात कही है वह एक आशावादी राजनीति का मैसेज है। और 12 साल से निराश एवं हताश जनता को इससे एक उम्मीद बंधती है। राहुल जनता में ही हौसला पैदा करके और खास तौर से छात्र एवं युवाओं को जगाकर ही इस चक्रव्यूह को तोड़ने और इससे बाहर निकलने की बात करते हैं।

राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। और प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह संसद के दोनों सदनों में से किसी एक में भी नहीं आ पाए।

लेकिन कांग्रेस के ही कुछ नेताओं की गलतियों के कारण कई बार बेवजह बाजी पलट जाती है। जिस दिन राहुल का अब तक का सबसे सफल गूंज कार्यक्रम इन्दौर में हो रहा था उसी दिन दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनावों का नतीजा निकल रहा था।

दिल्ली में इस बार जो माहौल था भाजपा उससे बहुत डरी हुई थी। हर चीज उसके खिलाफ जा रही थी। और ऐसे में दिल्ली यूनिवर्सिटी के चुनाव से एक हफ्ते पहले सत्य निकेतन की बिल्डिंग गिर जाने जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के ही पढ़ने वाले कई छात्र दबकर मर जाने की घटना ने उसे पूरी तरह निराश कर दिया था।

लेकिन अगर बल्लेबाज ही हिट विकेट हो जाएं तो कितने ही निराश बालर और टीम हो जीत जाती है। दिल्ली का हर चुनाव पूरे देश को संदेश देता है। चाहे लोकसभा हो या दिल्ली विश्वविद्यालय का चुनाव। यहां केवल छात्र संघ का चुनाव ही नहीं दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ डूटा भी राजनीति की नब्ज बताता है। अभी छात्र संघ डूसू चुनाव के चार दिन पहले ही दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे प्रभावी शिक्षक नेता माने जाने वाले और तीन बार डूटा के अध्यक्ष रहने वाले आदित्य नारायण मिश्रा ने बड़ी तादाद में युनिवर्सिटी के शिक्षकों के साथ कांग्रेस मुख्यालय आकर कांग्रेस ज्वाइन की। इसका डूसू चुनाव पर स्वाभाविक असर पड़ना था।

शकील अख्तर

> राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा।

उससे पहले दिल्ली के जंतर मंतर पर ही छात्रों का बड़ा धरना और फिर संसद मार्च में लाठी, आंसू गैस, पैलेट गन चलने से पूरा माहौल भाजपा विरोधी बना हुआ था। छात्र राजनीति के लिए इससे अनुकूल माहौल कुछ नहीं हो सकता। मगर एक नेता द्वारा अपने बेटे को टिकट दिलाकर एनएसयूआई का पूरा पैनल लंगड़ा कर दिया गया। जिस उपाध्यक्ष सीट पर उस नेता के बेटे वीर चतरथ को लड़ाया वहां एनएसयूआई को नोटा से भी कम वोट मिले। इस पोस्ट पर नोटा को 4359 और एनएसयूआई को 4313 वोट मिले।

शर्मनाक! और यह नेता कौन है जिसने अपने बेटे को टिकट दिलाया? एक भारी अहंकारी वह व्यक्ति जिसे कांग्रेस के नए मुख्यालय इन्दिरा भवन का पूरा चार्ज दे रखा है। जहां वह किसी भी नेता, कांग्रेस के 24 अकबर रोड वाले मुख्यालय से गए किसी अधिकारी को घुसने से रोक सकता है। अपमान कर सकता है।

यह हमने लिखा नेता और अधिकारी के लिए। कार्यकर्ता और कर्मचारी की तो बात ही नहीं है। उन्होंने तो इन्दिरा भवन जाना ही छोड़ दिया। एनएसयूआई के नेता, सदस्य और दिल्ली यूनिवर्सिटी के दूसरे तमाम छात्र कांग्रेस के 24 अकबर रोड वाले मुख्यालय आते रहते हैं। पॉलिटिकल पार्टी का दफ्तर जैसा होना चाहिए खुला वह वैसा ही है। दिल्ली के छात्र क्या देश भर से लोग वहां आते हैं। बैठते हैं। कैंटिन में सही दाम में चाय पीते हैं। ऐसे ही सही कीमत में खाना खा लेते हैं। आगे बताते हैं यहां के उचित दाम आपको।

पहले जरा इन्दिरा भवन की बात। लेकिन उससे भी पहले पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग की बात। पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग के बनने के औचित्य पर हम शुरू से सवाल उठाते रहे हैं। उसकी कमियों पर बहुत लिखा। अखबार में भी और ट्वीटर पर भी। लेकिन अभी पिछले कुछ समय से हमने लिखना बंद कर दिया।

कांग्रेस के लोगों को मोदी की बनाई नई संसद की कमियां पढ़ने में बहुत मजा आता था। एक दिन एक बड़े नेता ने पूछा कि अब आप नई बिल्डिंग पर क्यों नहीं लिखते हैं? हमने कहा क्योंकि हमने उससे खराब स्थिति एक और नई बिल्डिंग की देख ली। उन्होंने कहा कौन सी? हमने कहा आप का नया मुख्यालय। इन्दिरा भवन। चुप हो गए। जैसे सत्ता पक्ष का भी कोई सांसद, या मंत्री भी नए संसद भवन की तारीफ नहीं कर सकता है। वैसे ही कांग्रेस का कोई नेता इन्दिरा भवन की व्यवस्थाओं का बचाव नहीं कर पाता है।

अब हमने ऊपर कैंटिन और रेट की बात कही थी वह बताते हैं। इन्दिरा भवन की कैंटिन के रेट इतने ऊंचे रखे हैं कि वहां काम करने वाले कर्मचारियों को भी चाय पीना हो तो बाहर जाना पड़ता है। यह बताने की तो शायद जरूरत नहीं है कि कार्यस्थलों पर कैंटिन इसलिए खोली जाती है और सब्सिडाइज रेट पर चाय खाना स्नेक्स रखे जाते हैं कि वर्कर को कहीं बाहर खाने चाय पीने नहीं जाना पड़े।

अब रेट देख लीजिए। चाय 25 रुपए की। जीएसटी मिलाकर 28 की पड़ती है। अब सोचिए एक कर्मचारी या कभी गलती से चला गया कोई कार्यकर्ता या छात्र कैसे पी सकता है। अब जरा तुलनात्मक रूप से और बता दें तो आपके और समझ में आ जाएगा। यही चाय कांग्रेस के 24 अकबर रोड मुख्यालय में 10 रुपए की मिलती है। और जिक्र संसद की नई बिल्डिंग का भी किया है तो वहां का भी बता दें वहां 5 रुपए की है।

बहुत सारे आइटम हैं। ज्यादा नहीं बता रहे। चाय के बाद खाना ही इम्पार्टेन्ट है तो 24 अकबर रोड में 45 रुपए में मिनी लंच और संसद में 50 रुपए में। यहां फाइव स्टार होटलों की तरह हाफ प्लेट या मिनी का काम ही नहीं। थाली है 200 रुपए की। और जीएसटी अलग। एक आइटम और बता दें। 24 अकबर रोड में सागर रत्ना का कैंटिन है जिसका डोसा दुनिया भर में मशहूर है। केवल 45 रुपए का। पार्लियामेंट में अशोका की कैंटिन है वहां 30रुपए का। और इन्दिरा भवन में पता नहीं किसे ठेका दे रखा है 170 प्लस जीएसटी।

और लास्ट बात यह और बता दें कि पत्रकार कैंटिन में नहीं जा सकता। अगर कोई गलती से ले गया तो वहां से उठाने के लिए उसका एडमिनिस्ट्रेटर आ जाता है। एडमिनिस्ट्रेटर मतलब वही जिसने अपने बेटे को लड़वा कर पूरे एनएसयूआई पैनल को हरवाया। राहुल के इन्दौर गूंज कार्यक्रम का मजा खराब किया। लब्बोलुवाब यह है कि राहुल अकेले पूरी लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेसी उनकी टांग खींचने में लगे हैं। ये कांग्रेसी वह हैं जो दलाली और चमचागिरी में सिद्धहस्त हैं। इन्हें सिर्फ अपने से अपने परिवार से अपने स्वार्थों से मतलब है। राहुल से और कांग्रेस से इन्हें सिर्फ फायदा उठाना है। अब राहुल इनसे कैसे मुक्त हो पाते हैं यह एक बड़ा सवाल है। क्योंकि यह लोग उनके पास कोई इन्फारमेशन ही नहीं पहुंचने देते। जिस इन्दिरा भवन के लिए कांग्रेस के लाखों कार्यकर्ताओं, सिम्पेथाइजरों ने जो भी जिससे बना सहयोग किया है वहां उनके साथ क्या होता है यह भी राहुल तक शायद ही पहुंच पाता हो।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

हर देश के लिए जरूरी है 'शांति मंत्रालय'

■ कुमार सिद्धार्थ

हर वर्ष 21 सितंबर को दुनिया 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' मनाती है। 'संयुक्त राष्ट्र संघ' (यूएन) ने 1981 में इसकी शुरुआत इस उद्देश्य से की थी कि विश्व समुदाय युद्ध और हिंसा से ऊपर उठकर शांति, संवाद और सह-अस्तित्व की संस्कृति को मजबूत करे। वर्ष 2001 में 'यूएन' ने सर्वसम्मति से इस दिन को 'वैश्विक संघर्ष-विराम' और 'अहिंसा दिवस' के रूप में भी मान्यता दी, लेकिन दुर्भाग्य से जिस दुनिया में शांति के नाम पर एक दिन समर्पित है, उसी दुनिया में वर्ष के शेष दिनों में युद्धों की तैयारी अधिक व्यवस्थित ढंग से होती दिखती है।

बीसवीं सदी के दो विश्वयुद्धों और हिरोशिमा-नागासाकी की त्रासदी ने मानवता को विश्वास दिलाया था कि शायद अब 'युद्ध' इतिहास की बात बन जाएंगे, किंतु इक्कीसवीं सदी में ऐसा नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में है। गाज़ा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। पश्चिम एशिया, अफ्रीका के अनेक गृहयुद्ध और एशिया में बढ़ते सामरिक तनाव बताते हैं कि आधुनिक विश्व अभी भी हथियारों के भरोसे सुरक्षा खोज रहा है। परमाणु हथियारों का जखीरा आज भी हजारों की संख्या में मौजूद है और वैश्विक सैन्य बजट लगातार बढ़ रहे हैं। तो क्या हथियारों की बढ़ती संख्या दुनिया को अधिक सुरक्षित बना रही है?

> बीसवीं सदी के दो विश्वयुद्धों और हिरोशिमा-नागासाकी की त्रासदी ने मानवता को विश्वास दिलाया था कि शायद अब 'युद्ध' इतिहास की बात बन जाएंगे, किंतु इक्कीसवीं सदी में ऐसा नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में है। गाज़ा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। पश्चिम एशिया, अफ्रीका के अनेक गृहयुद्ध और एशिया में बढ़ते सामरिक तनाव बताते हैं कि आधुनिक विश्व अभी भी हथियारों के भरोसे सुरक्षा खोज रहा है।

गांधीवादी चिंतक और लेखक सतीश कुमार ने इसी प्रश्न को नए दृष्टिकोण से उठाया है। अपने एक लेख में उन्होंने कहा है कि जिस प्रकार लगभग हर देश में रक्षा मंत्रालय हैं, उसी प्रकार प्रत्येक देश में 'शांति मंत्रालय' भी होना चाहिए। ऐसा मंत्रालय समाज में संवाद, मध्यस्थता, शांति शिक्षा, अहिंसक प्रतिरोध, सामुदायिक मेल-मिलाप और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने का काम कर सकता है। यदि सरकारें युद्ध की तैयारी के लिए विशाल संस्थागत ढांचे विकसित कर सकती हैं, तो शांति की तैयारी के लिए भी संस्थागत व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

पहली दृष्टि में यह विचार आदर्शवादी लग सकता है, लेकिन वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। दुनिया के लगभग सभी देशों के पास रक्षा मंत्रालय, सेनाएं, युद्ध रणनीतियां और हथियारों के आधुनिकीकरण की योजनाएं हैं, किंतु शायद ही कोई ऐसा देश हो जहां संवाद, मेल-मिलाप, संघर्ष-निवारण और शांति शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अलग मंत्रालय हो। 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' के अनुसार वर्ष 2024 में दुनिया का सैन्य व्यय लगभग 2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था, जो अब तक का सर्वाधिक है। यह लगातार दसवां वर्ष था, जब वैश्विक रक्षा व्यय में वृद्धि दर्ज की गई। अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत सबसे अधिक रक्षा व्यय करने वाले देशों में शामिल हैं। इसके विपरीत 'यूएन' की अनेक मानवीय और शांति-स्थापना एजेंसियां संसाधनों की कमी से जूझती रहती हैं। यह विरोधाभास बताता है कि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं किस दिशा में झुकी हुई हैं।

युद्ध की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से अधिक राष्ट्र के आम नागरिक चुकाते हैं। 'संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त' (यूएनएचसीआर) के अनुसार दुनिया में 12 करोड़ से अधिक लोग युद्ध, हिंसा और उत्पीड़न के कारण अपने घर छोड़ने को विवश हैं। गाज़ा, यूक्रेन और सूडान जैसे क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल और नागरिक बस्तियां नष्ट हुई हैं। लाखों बच्चे शिक्षा से वंचित हुए हैं और असंख्य परिवार विस्थापन का जीवन जी रहे हैं। आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं को नहीं, बल्कि समाजों के विश्वास, मानवीय गरिमा और भविष्य को भी समाप्त करते हैं। युद्ध का एक और गंभीर पक्ष पर्यावरणीय विनाश है। आधुनिक सेनाएं भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करती हैं। बमबारी से जंगल, कृषि भूमि और जलस्रोत नष्ट होते हैं। औद्योगिक प्रतिष्ठानों के ध्वस्त होने से विषैले रसायन वातावरण में फैलते हैं और 'ग्रीनहाउस गैसों' का उत्सर्जन बढ़ता है। सतीश कुमार का प्रस्ताव है कि रक्षा बजट का एक हिस्सा शांति निर्माण के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए। शांति मंत्रालय का कार्य केवल युद्ध रोकना नहीं, बल्कि शांति शिक्षा, संवाद, मध्यस्थता, सामुदायिक मेल-मिलाप, अहिंसक प्रतिरोध, संघर्ष-निवारण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना होगा।

दरअसल, शांति को संस्थागत रूप देने का विचार नया नहीं है। महात्मा गांधी का मानना था कि हिंसा अंतत: प्रतिहिंसा को जन्म देती है। स्वतंत्रता आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां करोड़ों लोगों ने बिना हथियार एक साम्राज्य को चुनौती दी। गांधी का स्वराज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था; वह ऐसे समाज की परिकल्पना थी जहां संघर्षों का समाधान संवाद और नैतिक शक्ति से हो।

गांधी की इसी परंपरा को विनोबा भावे, दादा धर्माधिकारी, जयप्रकाश नारायण और नारायण देसाई जैसे अनेक विचारकों ने आगे बढ़ाया और समाज में संवाद, रचनात्मक कार्यक्रमों और अहिंसक संघर्षों को लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति माना। इन सभी का विश्वास था कि स्थायी सुरक्षा हथियारों से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण समाज, लोकतांत्रिक भागीदारी और अहिंसक संस्कृति से आती है। इस दृष्टि से 'शांति मंत्रालय' का प्रस्ताव गांधीवादी चिंतन का समकालीन संस्थागत विस्तार प्रतीत होता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन और दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल ने भी मानवता को यही चेतावनी दी थी। 1955 के प्रसिद्ध 'रसेल-आइंस्टीन घोषणापत्र' में उन्होंने विश्व नेताओं से आग्रह किया था कि वे युद्ध की बजाय मानव अस्तित्व को प्राथमिकता दें। घोषणापत्र का सबसे प्रसिद्ध वाक्य आज भी प्रासंगिक है- 'अपनी मनुष्यता को याद रखिए और बाकी सब भूल जाइए।' यही विचार आगे चलकर परमाणु निरस्त्रीकरण और वैश्विक शांति आंदोलनों की प्रेरणा बना।

'यूएन' की स्थापना इसी विश्वास के साथ हुई थी कि आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाया जाए। 'यूएन चार्टर' की प्रस्तावना में इसका स्पष्ट उल्लेख है। शांति स्थापना अभियानों, संघर्ष-निवारण, मध्यस्थता और 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' जैसी पहलों के माध्यम से 'यूएन' लगातार प्रयास करता रहा है। हालांकि महाशक्तियों के राजनीतिक हित और 'वीटो व्यवस्था' अक्सर इन प्रयासों को सीमित कर देते हैं।

भारत के लिए यह विमर्श विशेष महत्व का है। 'अहिंसा परमो धर्म:,' 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और गांधी का सत्याग्रह केवल आदर्श नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति के वैकल्पिक मूल्य भी हैं। भारत अपनी सुरक्षा जरूरतों से समझौता किए बिना भी शांति शिक्षा, संघर्ष-समाधान, मानवीय कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के क्षेत्रों में नई पहल कर सकता है। यदि भारत 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का संदेश विश्व समुदाय को दे सकता है, तो शांति को सार्वजनिक नीति का विषय बनाने की बहस का नेतृत्व भी कर सकता है।

केवल एक नया मंत्रालय बना देने से युद्ध समाप्त नहीं होंगे। युद्धों के पीछे भू-राजनीतिक हित, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा और वैचारिक टकराव जैसे अनेक कारण होते हैं। फिर भी संस्थाएं समाज की प्राथमिकताओं का प्रतीक होती हैं। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण के लिए अलग मंत्रालय बनने के बाद पर्यावरण नीति को नई पहचान मिली और आपदा प्रबंधन के लिए अलग संस्थागत व्यवस्था विकसित हुई, उसी प्रकार शांति के लिए समर्पित संस्थान भी यह संदेश देंगे कि राष्ट्र केवल युद्ध जीतने की नहीं, बल्कि शांति स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं। यदि मानवता ने युद्ध के लिए मंत्रालय बनाए हैं, तो क्या अब समय नहीं आ गया कि वह शांति के लिए भी एक मंत्रालय बनाने का साहस दिखाए?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं सामाजिक कार्यों से संबद्ध हैं।

ललित सुरजन की कलम से

संशयग्रस्त भारत और ओलंपिक

'क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें खिलाड़ियों के साथ मैदान को भी विज्ञापनों से पाटा जा सकता है। अन्य खेलों में यह गुंजाइश कम इसलिए है क्योंकि उनमें अधिक गति होती है और सवा डेढ़ घंटे में खेल खत्म हो जाता है। बेशक फुटबॉल और टेनिस में सट्टेबाजी होती है, खासकर विदेशों में, लेकिन क्रिकेट की सट्टेबाजी के सामने वह कुछ भी नहीं। इस व्यवसायिकता का दूसरा पहलू है कि कोई भी खिलाड़ी जिसने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर ली हो, उसे अपने कब्जे में लेने के लिए विज्ञापनदाता टूट पड़ते हैं। इसमें शायद युवा खिलाड़ियों के माता-पिता के लालच का भी दोष होता है! एक खिलाड़ी को पर्याप्त आर्थिक प्रोत्साहन मिले यह तो ठीक है, लेकिन अगर वह विज्ञापन से मिलने वाले करोड़ों रुपए की चकाचौंध में खो जाएं तो फिर उसका एकाग्रचित्त होकर खेल पाना मुश्किल हो जाता है। हाल के वर्षों में कुछ नए खिलाड़ियों ने जो बेहतरीन उपलब्धियां हासिल कीं उनकी चमक कम पड़ जाने का कारण शायद यही है।'

(देशबन्धु में 25 अगस्त 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/08/blog-post_24.html

गुरुवाणी विचार

गुजरी महला 5

कबहू हरि सिओ चित न लाइओ
धंधा करत बिहानी अउधहि गुण निदि नाम न गाइए (रहाओ)
बिसरत प्रभ केते दुख गनीअहि महा मोहनी खाइए
करो अनुग्रह सुआमी मेरे गनहु न मोहि कमाइए
गोविंद गइआल क्रिपाल सुख सागर नानक हरि सरणाइए।

गुरुवाणी की ये पंक्तियां गूजरी राग से ली गई हैं जो गुरुग्रंथ साहिब के 501 अंग में सुशोभित है। इन पंक्तियों द्वारा पांचवें नानक गुरु अर्जुन देव मानव मन को समझाते हुए कह रहे हैं- इंसान इस संसार में आकर माया, मोह और विषय विकारों में इतना फंस जाता है कि वह अपने जनक प्रभु परमात्मा को ही विसार बैठा है। उस प्रभु परमात्मा से अपना मन जोड़ ही नहीं पाता। चाहिए तो यही था कि इस संसार में जिस प्रभु परमात्मा ने हमें यह सुंदर मानव देही देकर इस धरा पर भेजा है। हमेशा उनका हर वक्त ध्यान लगाता रहे पर वह झूठे आडंबरों में फंस कर उस प्रभु परमात्मा का कभी ध्यान ही नहीं लगाता। जो याद रहे हमें प्रभु परमात्मा ने अपनी सर्वश्रेष्ठ कृति मानवदेही दी है। यह उसकी हम पर विशेष कृपा है वरना उसके पास तो चौरासी लाख योनियों का अटूट भंडार था वह हमें किसी भी योनि में भेज सकता था पर हमारे पूर्व जनमों में किए गए पुण्य कर्मों के फल के कारण ही हमें मानव देही प्राप्त हुई है। हमारा कर्तव्य है कि प्रभु सिमरन में मन लगाए रहें।

जिस प्रकार स्वर्णकार गहने बनाता है पर उन गहनों के बनने और बिकते तक ही उस गहने का ध्यान रखता है। गहना बिका और उसका ध्यान देखरेख खतम। एक कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाता है पर बिकने तक ही उसका ध्यान उसमें रहता है, प्रभु परमात्मा ऐसे कारीगर हैं जो इस समस्त संसार की रचना करने के बाद हर जीव के अंदर विराजमान रहकर उसके द्वारा किये गए प्रत्येक कार्य को देखता रहता है जिसका कि लेखाजोखा उनके दरबार में चित्रगुप्त द्वारा रखा जाता है। इसीलिए उस प्रभु परमात्मा को कभी न बिसारे और हर वक्त उसका ध्यान लगाये रखे।

हमें अपने और परिवार का उदर पोषण भी करना है और मन हमेशा प्रभु में लगाये रखना है क्योंकि गुरुदेव ने समझाया है-औरत, ईमान, पुत्तर निशान दौलत गुजरान। अर्थात गृहस्थ में रहकर धर्म का पालन करते हुए हमें ईमानदारी से नेक कमाई करना है और कमाई का दसबंध निकालकर जरूरतमंदों की मदद में दीन दुखियों की सेवा में खर्च करना है पर हमारा मन हर वक्त निरंकार से जुड़ा रहना चाहिए। इसी बात को भक्त नामदेव त्रिलोचन जी तो कुछ इस तरह समझा रहे हैं-

नामा कहे त्रिलोचना मुख ते नाम संभाल।
हाथ पांव से काम सब चित निरंजन नाल।।

शुरु में हमें यह असंभव प्रतीत होगा जरूर होगा पर धीरे-धीरे अभ्यास करते रहने हमारा मन निरंकार से जुड़ जाएगा। कबीर दास भी कह गए हैं-

केसो केसो कूकिये न सोइऐ आसार।
बार बार के कूकने कभी तो सुने पुकार।।

हर वक्त बार बार स्मरण करते रहने पर कभी न कभी तो हम पर कृपादृष्टि पड़ ही जाएगी और हमें प्रभु दर्शन का लाभ प्राप्त हो जाएगा फिर हमें किसी भी किस्म की तकलीफ नहीं होगी। हमारा मन सदा सुख ही सुख की प्राप्ति करता रहेगा-

सहस्त्र खटे लखि को उठि धावै।
तृप्त न आवै माया पाछै पावै।।

माया ऐसी मोहिनी है हमारे पास कितनी भी धन दौलत इकट्ठी हो जाए हमारी तृप्ति नहीं हो पाती ये माया मोहनी है बिना दांतों के ही सारे जग को खा रही है- माया ममता मोहिनी जिन बिन दंता जग खाया। पर जो इंसान हर वक्त प्रभु पर ध्यान लगाए रखते हैं उसकी तृप्ति खतम हो जाती है उन्हें संतोष की प्राप्ति हो जाती है।

- इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

सुविधाएं गांव तक पहुंचनी चाहिए

गांव में रहने वाले लोगों के लिए किसी चीज की कीमत केवल उसकी दुकान पर लिखी रकम से तय नहीं होती। कई बार उसे खरीदने के लिए घर से शहर तक जाने और आने का किराया, लगने वाला समय, काम से छूटा एक दिन और रास्ते में होने वाली दूसरी परेशानियां भी जुड़ जाती हैं। यही वह अदृश्य कीमत है, जिसे गांव के कठिन जीवन को समझते समय अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

उदयपुर शहर से लगभग चार किमी दूर ब्राह्मणों का गुड़ा गांव इसका एक उदाहरण है। शहर के इतने करीब होने के बावजूद गांव के भीतर की सड़कें टूटी-फूटी हैं और रोजमर्रा की कई जरूरतों के लिए लोगों को शहर का रुख करना पड़ता है। इस गांव में केवल दो छोटी दुकानें हैं, जहां ज़रूरत का पूरा राशन नहीं मिलता है। इसलिए लोगों को राशन और दूसरी जरूरी चीजें खरीदने के लिए शहर जाना पड़ता है। बाहर से देखने पर चार किमी की दूरी बहुत बड़ी नहीं लगती, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में यही दूरी गांव में आर्थिक रूप से कमज़ोर किसी परिवार के बजट, समय और श्रम के रूप में बहुत मायने रखती है।

गांवों की समस्या को केवल इस सवाल से नहीं समझा जा सकता कि वहां कितनी दुकानें हैं। असली सवाल यह है कि क्या गांव में रहने वाला व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की जरूरतें अपने आसपास से पूरी कर सकता है? अगर राशन की पूरी व्यवस्था गांव में नहीं है, गैस सिलेंडर के लिए अतिरिक्त पैसे देने पड़ते हैं और जरूरी सामान लेने के लिए शहर जाना पड़ता है, तो इसका असर केवल जेब पर नहीं पड़ता है बल्कि उसके पूरे महीने के बजट पर पड़ता है। किसी मजदूर को सामान लेने के लिए शहर जाना पड़े तो उसके काम का समय भी जाता है। किसी परिवार के पास एक साथ अधिक सामान खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा न हो तो वह अपनी जरूरत का सामान भी कम मात्रा में खरीदने को मजबूर हो सकता है। यानी गांव में सुविधाओं की कमी लोगों को ऐसी व्यवस्था में धकेल देती है, जहां छोटी-छोटी जरूरतें भी अतिरिक्त खर्च मांगती हैं।

इसका बोझ परिवार के सभी सदस्यों पर एक जैसा नहीं पड़ता। घर में सामान लाने, बच्चों की जरूरतें पूरी करने और रोजमर्रा के काम संभालने की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं के हिस्से में आती है। ऐसे में जब जरूरी सामान गांव में उपलब्ध नहीं होता, तो यात्रा का अतिरिक्त समय और श्रम भी उनके जीवन में जुड़ जाता है। गांव की कठिनाइयां बाजार तक ही सीमित नहीं हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी दूरी और सुविधाओं की कमी बच्चों के भविष्य को प्रभावित करती है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी या समय पर शिक्षकों के नहीं आने की समस्या के कारण माता-पिता बच्चों को निजी स्कूल में भेजना चाहते हैं। लेकिन निजी स्कूल का मतलब केवल फीस नहीं है। किताबें, यूनिफॉर्म और बस का खर्च भी परिवार की आय पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं। जिन परिवारों की आमदनी पहले ही सीमित है, उनके लिए बच्चे की शिक्षा जारी रखना कई बार आर्थिक चुनौती बन जाता है।

गांव को मजबूत बनाने का मतलब केवल सड़क या इमारत बनाना नहीं, बल्कि ऐसी स्थानीय व्यवस्था तैयार करना है जिसमें लोगों की अपनी जरूरतें गांव में ही उपलब्ध हो जाए। रोजगार गांव के पास हो, बच्चों को गांव में ही अच्छी शिक्षा मिले, जरूरी सामान उचित दाम पर उपलब्ध हो और सरकारी योजनाओं तक पहुंच आसान हो। तभी गांव की दूरी नक्शे पर दर्ज कुछ किमी भर रह जाएगी।

विनय अग्रवाल, उदयपुर, राजस्थान

सार-समाचार

एशियन गेम्स में भारत की बेटियों ने रचा कीर्तिमान: डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एशियन गेम्स-2026 में भारत की बेटियों ने कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर राइफल वूमेन्स टीम के फाइनल इवेंट में रजत पदक जीतने पर एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर एवं विदरसा के. विनोद को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी की यह उपलब्धि युवाओं को प्रेरित करने के साथ ही देश के करोड़ों खेल प्रेमियों को उत्साह से भर देने वाली है।

उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं को सशक्त बनाने के लिए नीति संवाद आज

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग के सहयोग से सोमवार, 21 सितम्बर को भोपाल में मध्यप्रदेश में उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं का सुदृढ़ीकरण विषय पर नीति संवाद आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रात: 10 बजे से एमपीटी होटल पलाश रेसीडेंसी के प्रथम तल स्थित विमर्श हॉल में होगा। इसमें नीति-निर्माताओं, विषय-विशेषज्ञों, वित्तीय संस्थाओं, उद्योग प्रतिनिधियों, कृषक उत्पादक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा उद्यानिकी क्षेत्र के समग्र विकास पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी स्वागत उद्बोधन देंगे। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव श्रीमन शुक्ला प्रारंभिक उद्बोधन देंगे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर प्रदेशभर में होंगे आयोजन

भोपाल, देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायन सिंह कुशवाह ने एक अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस प्रदेशभर में गरिमा और सम्मान के साथ मनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों ने अपने ज्ञान, अनुभव और परिश्रम से परिवार, समाज तथा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन के लिए संवेदनशील एवं सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना हम सभी का दायित्व है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन बनकर न रह जाएं। इनमें वृद्धजनों की अधिकतम और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उनके साथ संवाद किया जाए तथा उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं के निराकरण की दिशा में सार्थक पहल की जाए।

मुख्यमंत्री ने की घोषणा : नीमच में एयरपोर्ट और सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम बनेगा

साढ़े 3 लाख से अधिक शासकीय भर्तियां की जाएंगी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नीमच में शीघ्र ही एयरपोर्ट बनाया जायेगा। साथ ही खेल सुविधाओं में विस्तार के लिये सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम बनाया जायेगा। प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में एक लाख से अधिक भर्तियां की गई हैं। आगामी ढाई वर्षों में साढ़े 3 लाख से अधिक भर्तियां और की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज नीमच के अग्रोहा भवन में आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने में उनके योगदान का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी जिलों में सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प से ही शक्ति और विकास का मार्ग प्रशस्त होता है तथा प्रदेश सरकार इसी भावना के साथ निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीमच के विकास, नागरिकों के जुझारूपन और उद्यमशीलता की सराहना की। डॉ. यादव ने सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विधायक दिलीप सिंह परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा एवं वंदन खंडेलवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने अभियान में सहभागी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं विभिन्न संगठनों की सराहना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, आयुक्त उज्जैन संभाग आशीष सिंह, पुलिस महानिरीक्षक राकेश गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सिंहस्थ 2028 : मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों का लिया जायजा

रहवासियों से किया संवाद, बच्चों से हाथ मिलाकर बढ़ाया उत्साह

उज्जैन/ भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सिंहस्थ महापर्व के लिए उज्जैन शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीलगंगा से केटीएम गैल इंडिया चौराहा तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य तथा शांतिनगर से इंदौर रोड तक किए जा रहे नवीन मार्ग निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सिंहस्थ की दृष्टि से महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान डॉ. यादव ने मार्ग में स्थानीय रहवासियों से संवाद किया। स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से हाथ मिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया और स्थानीय नागरिकों द्वारा शहर के विकास के लिए किए जा रहे सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर विकास कार्यों के लिए मकान और दुकानें प्रभावित हो रही हैं, वहां भी स्थानीय रहवासी फूलों से स्वागत कर रहे हैं। यह उज्जैन के नागरिकों के बड़े मन और विकास के प्रति उनकी सकारात्मक भावना को दर्शाता है। डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व के दौरान करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। उनकी सुविधाओं और व्यवस्थाओं की चिंता करना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की जिम्मेदारी है। उज्जैन के सभी समाजों के नागरिक शहर के विकास और सिंहस्थ की तैयारियों में सहयोग कर रहे है। उन्होंने कहा कि जिस भाव और समर्पण के साथ नागरिक चौड़ीकरण एवं अन्य विकास कार्यों में सहयोग कर रहे है, वह सराहनीय है, उसके लिए सभी नागरिकों को बधाई।

मुख्यमंत्री के नीमच पहुंचने से पहले कांग्रेस जिलाध्यक्ष को किया नजरबंद

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नीमच आगमन से पहले रविवार को जिले की राजनीतिक हलचल तेज हो गई। कार्यक्रम से पहले पुलिस ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती को उनके आवास पर नजरबंद कर दिया। उनके घर के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस की कार्रवाई पर कांग्रेस ने कड़ा एतराज जताया है। बाहेती ने कहा कि विरोध प्रदर्शन एक लोकतांत्रिक अधिकार है। प्रदर्शन की आशंका के आधार पर नजरबंद जैसी कार्रवाई सरकार की तानाशाही का प्रतीक है।

जानकारी के मुताबिक, सुबह कैंट थाना प्रभारी सौरभ शर्मा पुलिस बल के साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष के आवास पर पहुंचे। इसके बाद आवास के मुख्य द्वार पर पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई और बाहेती को घर से बाहर निकलने से रोक दिया गया। इस कार्रवाई के बाद शहर में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गईं। बताया गया कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन अथवा काले झंडे दिखाए जाने की आशंका के चलते एहतियातन यह कदम उठाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक ओर गांधीसागर में मुख्यमंत्री द्वारा चीतों को छोड़े जाने का कार्यक्रम था।

एआईएमआईएम के इकलौते पार्षद ने दिया इस्तीफा

बुरहानपुर,,एजेंसी। बुरहानपुर में पार्षद रफीक अहमद ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और प्रदेश प्रभारी सैयद मिनहाजउद्दीन को अपना इस्तीफा भेज दिया है। बुरहानपुर नगर निगम में एआईएमआईएम पार्टी के रफीक अहमद एकलौते पार्षद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक पार्टी में जिम्मेदार लीडरशीप नहीं बची है. पार्टी में गरीब नेताओं को नजरअंदाज करके अमीरों को तवज्जो दी जाती है। इनके इस्तीफे पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने पार्षद के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, इस्तीफा देने वाले पार्षद का मेरे पास अधिकारिक रूप से इस्तीफा नहीं आया है। मैं इस्तीफा देने के कारणों का पता करता हूं, ताकि इस पर मंथन किया जा सके। प्रदेशाध्यक्ष मोहसिन शनिवार को बुरहानपुर के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने जिला संगठन में फेरबदल करते हुए डॉ. जीशान को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया. राजनितिक गलियारों में चर्चा है कि रफीक अहमद ने जिला अध्यक्ष नहीं बनाए जाने से नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

इंदौर में कार्यक्रम के बाद कांग्रेस उत्साहित, पटवारी बोले -

हर जिले में होगा छात्रों की गूंज कार्यक्रम

इंदौर/भोपाल, देशबन्धु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के शनिवार को हुए छात्रों की गूंज कार्यक्रम से कांग्रेस उत्साहित है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने घोषणा की है कि अब हर जिले में ये कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इंदौर में मीडिया से चर्चा करते हुए श्री पटवारी ने कहा कि छात्रों की गूंज कार्यक्रम से लाखों परिवार जुड़े, ये गूंज समाप्त नहीं होगी। अब जिलास्तर पर अभिभावक और छात्रों के बैनर तले ये कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, छात्रों की समस्या को लेकर देश में एक नई बहस शुरू हुई है। शनिवार को जिस प्रकार का साथ युवा साथियों ने दिया, वह अकल्पनीय था. इसलिए अब सरकार और सरकार से जुड़े संगठनों को बहुत ताकत से छात्रों की गूंज सुनाई दे रही है। पटवारी ने कार्यक्रम में युवाओं की बड़ी भागीदारी का जिक्र करते हुए कहा कि इंदौर में इतिहास रचा गया है और छात्रों की समस्याओं को लेकर देश में एक नई बहस शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में युवाओं की मौजूदगी उनकी उम्मीद से भी ज्यादा रही। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में शामिल होकर युवाओं एवं छात्रों ने एक नया अध्याय लिख दिया है। भाजपा द्वारा इस आयोजन को झूठ की दुकान कहे जाने को लेकर पटवारी ने भाजपा से सवाल किया है, जो बच्चे सवाल उठा रहे हैं वह झूठे हैं या उनके परिजन झूठे हैं। भाजपा स्पष्ट करे कि नीट में जिन बच्चों ने जान दी वे झूठे थे या या फिर 50 प्रतिशत बच्चे झूठे हैं, जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं और अपनी बात सार्वजनिक मंच पर उठा रहे हैं।

दयाशंकर मिश्र की पुस्तक अख़लाक़ पर परिचर्चा

भीड़ हिंसा मानवता के लिए बड़ा ख़तरा : दिग्विजय

भोपाल, देशबन्धु। वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर मिश्र को भोपाल के गांधी भवन में बहुजन इंटलेक्ट सम्मान से अलंकृत किया गया। उन्हें यह सम्मान प्रदेश की सामाजिक संस्था बहुजन इंटलेक्ट द्वारा उनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक अखलाक़ भारत में भीड़ हिंसा की विस्तृत ज़मीनी पड़ताल के लिए दिया गया।

इस अवसर पर किताब पर हुई परिचर्चा में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि दयाशंकर मिश्र हमारे समय के निर्भीक लेखक और पत्रकार हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में पीड़ित परिवारों, आरोपियों और नीति नियंताओं से विषम परिस्थितियों में बातचीत कर यह दस्तावेजी महत्व की किताब प्रकाशित की है। सिंह ने भीड़ हिंसा को बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि यह किताब देश के अल्पसंख्यक समाज को यह हौसला देती है कि भारत का संविधान और बहुसंख्यक समुदाय इस तरह की हिंसा के खिलाफ है और उनके साथ खड़ा है। इस पुस्तक में गुजरात, महाराष्ट्र, उड़ीसा, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पिछले कुछ वर्ष में हुई भीड़ हिंसा की घटनाओं और उनके बाद के हालात की जमीनी पड़ताल की गई है। किताब अमेरिका में भीड़ हिंसा के इतिहास से शुरू होकर भारत के वर्तमान की तुलना करती है।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विजय बहादुर सिंह ने अपने लिखित संदेश में कहा कि अहिंसा और अवैर सनातन धर्म का मूल लक्षण है। जो लोग धर्म के आधार पर हिंसा करते हैं, वे हिंदू धर्म का अपमान करते हैं। मिश्र ने कहा कि इस किताब को लिखना उनके लिए एक बड़ी पीडा से गुजरना था। जिन परिवारों के सदस्य बिना किसी गुनाह के कत्ल कर दिए गए, उनसे उनके दर्द के बारे में बातचीत करना उनके जख्मों को कुरेदने जैसा था। लेकिन यह कठिन काम करना हमारे समय की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि हमें यह समझने की जरूरत है कि भीड़ हिंसा सिर्फ अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं, इनके पीछे राजनैतिक स्वार्थ हैं जो भीड़ हिंसा के ईंधन का काम करते हैं।

कांग्रेस केंद्रीय वार रूम प्रशिक्षण प्रभारी प्रोफेसर सौरभ वाजपेयी ने कहा कि दयाशंकर की किताब हमारे समाज को आईना दिखाने का काम करती है। जरूरत इस बात की है कि हम हिंदू-मुसलमान के भेद को मिटाकर संवैधानिक और सच्चे धार्मिक मूल्यों के आधार पर अपने राष्ट्र का नवनिर्माण करें।

पूर्व आईएसएस अधिकारी श्रीमती शैलबाला मार्टिन ने कहा कि मॉब लिंचिंग की घटनाएं भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को शर्मसार करती हैं। इसके शिकार मुख्य रूप से मुस्लिम, ईसाई, दलित और आदिवासी बन रहे हैं। इस प्रवृत्ति के खिलाफ देश को एकजुट होने की जरूरत है। इस अवसर पर गांधी भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि हम सबको महात्मा गांधी के रास्ते पर चलने की जरूरत है। इस रास्ते में सांप्रदायिक घृणा और हिंसा के लिए जगह नहीं है। सामाजिक सद्भाव के लिए यह किताब महत्वपूर्ण है।

सभा को साहित्यकार ओम प्रकाश बबेले, डॉ मेजर मनोज राजे, पत्रकार कासिफ काकवी, सामाजिक कार्यकर्ता इनायत अब्बास ने भी संबोधित किया। संचालन सामाजिक कार्यकर्ता सुनील बोरसे ने किया।

स्कूलों में 5 दिन पढ़ाई के प्रस्ताव को लेकर छिड़ी नई बहस

जम्मू, देशबन्धु। जम्मू-कश्मीर में सरकारी और निजी स्कूलों के लिए सप्ताह में पांच दिन कामकाज और शनिवार-रविवार अवकाश की संभावना ने शिक्षा व्यवस्था में नई बहस छेड़ दी है। शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने प्रस्ताव की व्यवहार्यता जांचने की बात कही है। प्रस्ताव को स्कूल शिक्षा के दोनों निदेशालयों जम्मू-कश्मीर के पास परीक्षण के लिए भेजा जाना है।

फिलहाल यह फैसला घोषित नहीं हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच दिन का सप्ताह लागू होने का सबसे सीधा असर विद्यार्थियों के आराम, पारिवारिक समय और अतिरिक्त गतिविधियों पर पड़ेगा। जबकि प्रस्ताव रखने वाले विधायक हसनैन मसूदी का तर्क है कि बच्चों को पढ़ाई और भारी होमवर्क के बीच पर्याप्त अवकाश नहीं मिल रहा। दो लगातार छुट्टियां उन्हें मानसिक दबाव से उबरने और खेल, रचनात्मक गतिविधियों तथा परिवार के साथ समय बिताने का अवसर दे सकती हैं। हालांकि इसका दूसरा पहलू पढ़ाई के समय का पुनर्गठन है।

कार्यालय नगर परिषद राहतगढ़, जिला- सागर (म.प्र.)

क्रमांक/ /नामान्तरण दिनांक 18/09/2026

इश्तहार म्यादी 30 दिवस

मध्यप्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम 1961 की धारा 150-151 के तहत आवेदकों द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किये है। अतः इन नामान्तरणोंन्ध में जिस किसी की आपत्ति हो अन्दर म्याद 30 दिवस में नगर परिषद कार्यालय राहतगढ़ में प्रस्तुत करें म्याद गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य न होगी।

क्र.	प्रकरण क्र.	आवेदक का नाम	अनावेदक का नाम	नामांतरण का प्रकार	संपत्ति का विवरण	वार्ड एवं मार्ग
	394	निकीता कुशवाहा W/o नीलेश कुशवाहा वार्ड- 03, राहतगढ़	मो. आसिफ कुरैशी S/o अब्दुल रसीद वार्ड- 13, राहतगढ़	रजिस्ट्री	खसरा नम्बर 2/4/1/1/1/1/ 1/1/3 में 750 वर्गफुट	वार्ड- 13 राहतगढ़

आवेदक द्वारा प्रकाशित

कार्यालय अधिष्ठाता बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर शिवाजी वार्ड, तिली रोड, सागर (म.प्र.) 470001

Website:-bmcsagar.edu.in फोन नं. 07582-236270
E-mail:-deansmc08@yahoo.co.in फैक्स नं. 07582-236457

क्रमांक 5368/क्रय/ 26 सागर 18/09/2026

बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय सागर में कम्युनिकेशन सिस्टम एवं साउंड सिस्टम के क्रय हेतु खुली निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा का नाम	प्री बिड बैठक दिनांक	निविदा प्राप्त करने की प्रारंभ तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय सागर में कम्युनिकेशन सिस्टम एवं साउंड सिस्टम के क्रय हेतु खुली निविदा	30/09/2026	22/09/2026 दोपहर 12:00 बजे से	13/10/2026 शाम 06:00 बजे तक	15/10/ 2026 सुबह 11.00 बजे पश्चात्

इच्छुक फर्म/संस्था ऑनलाइन वेबसाइट http/mptender.gov.in से एवं हमारी वेबसाइट www.bmcsagar.edu.in से भी निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है। निविदा में किये गए किसी भी संशोधन की जानकारी केवल महाविद्यालय की वेबसाइट पर ही उपलब्ध कराई जावेगी।

जी-18869/26

अधिष्ठाता
बुंदेलखंड चिकित्सा
महाविद्यालय सागर

न्यायालयः- कमिश्नर फार वर्कमेन कम्पनशेसन, श्रम न्यायालय सागर (म.प्र.)

पृ. क्र. ....

मूल प्र.क्र. एम.सी.सी.-बी-76/2026/डब्ल्यु.सी.एफ प्रकरण क्रमांक एम.सी.सी.बी.-82/2026 डब्ल्यु सी.एफ. मृतक कृष्ण कुमार अहिरवार पिता भगवानदास अहिरवार

सूचना पत्र

उपरोक्त प्रकरण में आपको एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रमिक श्री कृष्ण कुमार अहिरवार पिता भगवानदास अहिरवार की नियोक्ता जीत एशिया प्राईवेट लिमिटेड के नियोजन में काम करते हुये दुर्घटना कार्य से उत्पन्न होने से दिनांक 30/05/2026 को मृत्यु हो गई व नियोक्ता अनावेदक जीत एशिया प्राईवेट लिमिटेड द्वारा श्रमिक के क्षतिपूर्ति राशि 16,70,325/- सोलह लाख सत्तर हजार तीन सौ पच्चीस रूपये मात्र) मृतक के आश्रितों में वितरण हेतु इस न्यायालय में जमा कराई है।

उपरोक्त प्रकरण मृतक के आश्रितों की सूची व जांच हेतु दिनांक 15/10/2026 नियत की गई है। अतः यदि आप अथवा अन्य कोई व्यक्ति वर्कमेन कम्पनशेसन एक्ट की धारा 2 (डी) के अंतर्गत मृतक के आश्रित हों तो आप वह दिनांक 15/10/2026 को दिन 11 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र एवं आश्रित होने बावत् प्रमाण पत्र पेश करें।

मृतक के आश्रित होने के प्रमाण हेतु स्थानीय मजिस्ट्रेट, कलेक्टर या किसी शासकीय विज्ञप्ति अधिकारी द्वारा स्वयं का फोटो अटेस्टेड करवाकर पहचान हेतु पेश करें। यदि हो तो मृतक के नाबालिग बच्चों को साथ लावें।

आज दिनांक 12/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

(विनायक गुप्ता)
आयुक्त
कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम
श्रम न्यायालय, सागर (म.प्र.)

जाति के नाम पर होने वाला दुर्व्यवहार समाज को कमजोर करता है

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित शाखा संगम और स्वयंसेवक एकत्रीकरण कार्यक्रम में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने भोपाल विभाग के 5 जिलों से आए करीब 30 हजार स्वयंसेवकों को संबोधित किया। होसबाले ने देश की प्रगति के लिए जागृत, एकजुट और समरस समाज के निर्माण पर जोर दिया।

होसबाले ने कहा कि जन्म के आधार पर भेदभाव को हिंदू समाज का हिस्सा नहीं है, जाति के नाम पर होने वाला दुर्व्यवहार समाज को अंदर से कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि जातिभेद और छुआछूत जैसी कुप्रथाओं को मिटाने की शुरुआत हर व्यक्ति को अपने घर और दैनिक आचरण से करनी होगी। केवल मंच से भाषण देने से सामाजिक बदलाव संभव नहीं है, इसके लिए व्यवहारिक धरातल पर परिवर्तन लाना जरूरी है।

होसबाले ने पंच परिवर्तन का जिक्र करते हुए सामाजिक समरसता, परिवार और संस्कार, पर्यावरण संरक्षण, आत्मबोध और नागरिक कर्तव्य को आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रस्तावों या कागजी बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हर नागरिक को अपने घर, कार्यस्थल और बस्ती में पौधे लगाने तथा ऊर्जा के संवर्धन के प्रति सचेत रहना होगा। संकट के समय समाज की सामूहिक भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने असम की बाढ़ का उदाहरण दिया। होसबाले ने बताया कि आपदा के वक्त सेवा भारती के साथ आम लोगों, युवाओं और कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर राहत कार्यों में सहयोग किया। उन्होंने महामना मदन मोहन मालवीय के विचारों को साझा करते हुए कहा कि गांवों और बस्तियों की समस्याओं के समाधान के लिए केवल शासन-प्रशासन पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि स्थानीय लोगों को भी मिलकर आगे आना चाहिए। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासित शारीरिक प्रदर्शन, घोष वादन और संघ गीत प्रस्तुत किए।

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रीवा परिक्षेत्र रीवा (म.प्र.)

website:www.mppwd.gov.in Email:-cepwdrewa@mp.nic.in
phone no. 07662-255200, Fax:255380

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 09/सा./2026-27 रीवा दिनांक 17.09.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	संभाग का नाम	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा फार्म (रूपये में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_ 536743_1	शहडोल	बुडवा-बंधा-जनकपुर मार्ग लं. 6.20 कि.मी.में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	08 माह वर्षाकाल सहित	562.39	562390/-	20000/-
2	2026_PWDRB_ 536744_1	शहडोल	पटपरी टोला से नकटीदेवी मार्ग लं. 7.60 कि.मी.में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	08 माह वर्षाकाल सहित	683.54	683540/-	20000/-
3	2026_PWDRB_ 536745_1	शहडोल	नकुनी (गाड़ा) से पसगढ़ी-देवरी-बडवा (एमडीआर)मार्ग लं. 4.50 कि.मी.में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	08 माह वर्षाकाल सहित	518.03	518030/-	20000/-
					Total:-	1763.96		

उपरोक्त वेबसाईट ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा ऑनलाईन बिड सबमिशन की प्रारंभिक तिथि दिनांक 23.09.2026 से अंतिम तिथि 12.10.2026 सायं 18.00 बजे तक निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट में किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-18887/26

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. रीवा परिक्षेत्र रीवा

सार समाचार

विहिप के स्थापना दिवस पर निकली मोटरसाइकिल रैली

टीकमगढ़, देशबन्धु। विश्व हिंदू परिषद के 62वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय टीकमगढ़ में संगठन की ओर से मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मोटरसाइकिल पर सवार होकर नगर के प्रमुख मार्गों से निकले। इस दौरान 'जय श्रीराम' के जयघोष से शहर का माहौल भक्तिमय हो गया। विभिन्न स्थानों पर हिंदू समाज के लोगों ने रैली का पुष्पवर्षा और जलपान कर स्वागत किया। रैली के गांधी चौराहे पहुंचने पर भारत माता की महाआरती का आयोजन किया गया। इसके बाद सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं और नागरिकों को नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने का संकल्प भी दिलाया गया।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह सोलंकी, प्रांत से राजकुमार पाठक, विभाग से बृजेंद्र सिंह, जिला प्रमुख विनोद आदित्य तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अशोक सेन, बजरंग दल जिला संयोजक निलेश, जिला मिलन प्रमुख करन, जिला सुरक्षा प्रमुख प्रकाश यादव सहित विभिन्न प्रखंडों से आए पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नगर कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोचिंग फीस से लेकर ऑनलाइन साड़ी की रकम तक पर फैसला, ब्याज के साथ क्षतिपूर्ति और वाद-व्यय भी देना होगा

खरीदारी की रकम वापस करने में आनाकानी पड़ी भारी, उपभोक्ता आयोग ने दिलाया हक

टीकमगढ़, देशबन्धु। फीस या खरीदारी की रकम वापस करने में टालमटोल करना अब उपभोक्ताओं को महंगा नहीं पड़ेगा, बल्कि सेवा प्रदाता को ही इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, टीकमगढ़ ने हाल में ऐसे दो मामलों में महत्वपूर्ण फैसले सुनाते हुए संबंधित पक्षों को मूल राशि लौटाने के साथ ब्याज, मानसिक क्षतिपूर्ति और वाद-व्यय अदा करने के आदेश दिए हैं। दोनों मामलों में आयोग ने साफ किया कि केवल रिफंड का आश्वासन देना पर्याप्त नहीं है, वास्तविक भुगतान होना जरूरी है।

कोचिंग फीस नहीं लौटाई, 40 हजार के साथ ब्याज और क्षतिपूर्ति का आदेश: पहले मामले में सिविल जज परीक्षा की तैयारी के लिए 13 जून 2023 को कौटिल्य अकादमी में प्रवेश लेने वाले आवेदक ने 40 हजार रुपये फीस जमा की थी।

पारिवारिक परिस्थितियों के चलते कोचिंग जारी न रख पाने पर उसने फीस वापस मांगी। फीस लौटाने के नाम पर अकादमी की ओर से 16,949 रुपये के दो चेक दिए गए, लेकिन उनका भुगतान नहीं हुआ। बाद में

ऑनलाइन भुगतान का भरोसा भी दिया गया, लेकिन रकम खाते में नहीं पहुंची। विधिक नोटिस के बाद भी भुगतान नहीं होने पर मामला उपभोक्ता आयोग पहुंचा।

अधिवक्ता बी.एन. शर्मा ने आवेदक की ओर से पक्ष रखा। अनावेदक पक्ष की ओर से लिखित कथन प्रस्तुत नहीं किए जाने पर आयोग ने एकपक्षीय सुनवाई की। अध्यक्ष आर.के. कोस्टा एवं सदस्य डॉ. प्रीति सिंह परमार ने उपलब्ध दस्तावेजों और साक्ष्यों का परीक्षण करते हुए 17 सितंबर 2026 को आदेश पारित किया। आयोग ने 40 हजार रुपये मूल फीस लौटाने के साथ 7 जुलाई 2025 से वास्तविक भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज, 5 हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति और 2 हजार रुपये वाद-व्यय देने के निर्देश दिए।

आयोग ने स्पष्ट किया कि महज चेक जारी कर देने से भुगतान साबित नहीं होता, जब तक उसकी रकम वास्तव में प्राप्त न हो जाए।

साड़ी का रिफंड अटका, 5,285 रुपये के साथ 10 हजार अतिरिक्त देने होंगे

दूसरे मामले में ऑनलाइन खरीदी गई दो बनारसी पटोला सिल्क साड़ियों का रिफंड अटकाना अनावेदक को भारी पड़ा। परिवादी शशिकांत गुप्ता ने 6 अक्टूबर 2024 को 5,148 रुपये में साड़ियां खरीदी थीं। गुणवत्ता पसंद नहीं आने पर वापसी का अनुरोध किया गया। इसके बाद दूसरी साड़ियां लेने का प्रस्ताव दिया गया, जिसके लिए परिवादी ने 137 रुपये अतिरिक्त जमा किए। बाद में चुनी गई साड़ियां स्टॉक में नहीं होने की जानकारी दी गई। परिवादी ने रिफंड मांगा, बैंक और यूपीआई की जानकारी भी दी, लेकिन रकम वापस नहीं हुई।

अधिवक्ता संदीप रिछारिया ने परिवादी की ओर से पक्ष रखा। अनावेदक की ओर से प्रभावी प्रतिवाद प्रस्तुत नहीं किए जाने पर आयोग ने एकपक्षीय कार्यवाही की। उपलब्ध भुगतान रिकॉर्ड, चैट, ई-मेल और अन्य दस्तावेजों के आधार पर आयोग ने कुल 5,285 रुपये की राशि वापस किए जाने योग्य पाई। 20 अगस्त 2026 को पारित आदेश में आयोग ने 5,285 रुपये मूल राशि के साथ 18 दिसंबर 2024 से भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज, 5 हजार रुपये क्षतिपूर्ति और 5 हजार रुपये वाद-व्यय देने के निर्देश दिए।

दोनों मामलों में आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने की तारीख से 45 दिन के भीतर अनुपालन करने को कहा गया है। इन फैसलों से उपभोक्ताओं के लिए सीधी सीख है—फीस, ऑनलाइन खरीदारी या रिफंड से जुड़ा कोई मामला हो तो रसीद, ऑनलाइन भुगतान का रिकॉर्ड, चैट, ई-मेल, चेक और विधिक नोटिस जैसे दस्तावेज संभालकर रखें। बात से नहीं, भुगतान के प्रमाण से हक साबित होता है।

शिक्षकों ने तिरंगा रैली निकाली, सड़कों पर गूंजे अधिकारों के नारे

नजरबाग में सामूहिक उपवास और भूख हड़ताल, मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

टीकमगढ़, देशबन्धु। शिक्षक मांगों को लेकर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के आव्हान पर टीकमगढ़ में शिक्षकों ने तिरंगा रैली निकालकर अपनी आवाज बुलंद की। जिलाध्यक्ष कप्तान सिंह बुंदेला के नेतृत्व में जिलेभर से बड़ी संख्या में शिक्षक सत्येंद्र मंच, नजरबाग प्रांगण में जुटे। यहां शिक्षकों ने सामूहिक उपवास एवं भूख हड़ताल कर सरकार का ध्यान लंबित मांगों की ओर आकर्षित किया।

इसके बाद नजरबाग से सिंधी धर्मशाला, अस्पताल चौराहा होते हुए शिक्षक अधिकार सम्मान तिरंगा रैली निकाली गई। नारेबाजी करते हुए शिक्षक कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम डिप्टी कलेक्टर आरएस परमार को ज्ञापन सौंपा।

संघ ने वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने, प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कर पुरानी पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश नगदीकरण का लाभ देने तथा ई-अटेंडेंस व्यवस्था समाप्त करने की मांग उठाई। सितंबर 2022 की हड़ताल अवधि के लंबित वेतन भुगतान की मांग भी रखी गई।

स्थानीय स्तर पर क्रमोन्नत वेतनमान एवं एरियर का भुगतान, शेष अध्यापकों का शिक्षा विभाग में संविलयन और नवनियुक्त शिक्षकों को 100 प्रतिशत वेतन का लाभ देने की मांग प्रमुख रही। संघ ने चेतावनी दी कि मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

सेवा की राह पर टीकमगढ़ का युवा, आदर्श ने राष्ट्रीय मंच तक बनाई पहचान

एनएसएस से शुरू हुआ सफर समाजसेवा, पर्यावरण, मतदान जागरूकता और नशामुक्ति तक पहुंचा

- राज्यपाल सहित राष्ट्रीय स्तर पर मिले सम्मान

टीकमगढ़, देशबन्धु। कुछ युवा अपनी पहचान बनाने के लिए आगे बढ़ते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनकी पहचान उनके काम से बनती है। टीकमगढ़ के युवा समाजसेवी आदर्श जैन ने सेवा, जागरूकता और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाकर जिले का नाम प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया है। समाजसेवा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, बाल सुरक्षा, मतदान जागरूकता और नशामुक्ति जैसे अभियानों में उनकी लगातार सक्रियता रही है।

आदर्श जैन ने वर्ष 2018 में कक्षा 11वीं के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से अपने सामाजिक सफर की शुरुआत की। वर्ष 2018 से 2020 तक कार्यक्रम अधिकारी भरत त्रिपाठी के मार्गदर्शन में एनएसएस की गतिविधियों

से जुड़े रहे। इसके बाद सवाई महेंद्र शासकीय उत्कृष्ट स्नातकोत्तर महाविद्यालय, टीकमगढ़ में वर्ष 2020 से 2023 तक कार्यक्रम अधिकारी अभिमन्यु प्रसाद के मार्गदर्शन में वरिष्ठ स्वयंसेवक के रूप में विभिन्न गतिविधियों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई। इसी दौरान उन्होंने एनएसएस के ए, बी और सी प्रमाण-पत्र हासिल किए। तीन यूनिट कैंप, स्टेट कैंप, राष्ट्रीय एकीकरण शिविर और 'मां तुझे प्रणाम' योजना के कैंप में भी सहभागिता की।

कोरोना महामारी के कठिन दौर में आदर्श जैन ने पुलिस बल और प्रशासन के साथ मिलकर व्यवस्थाओं में सहयोग किया। उनकी सेवाओं को देखते हुए 4 सितंबर 2021 को सवाई महेंद्र शासकीय उत्कृष्ट स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विशेष प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। पंचायत चुनाव के दौरान जतारा ब्लॉक के चंदेरा गांव में मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बलों के साथ व्यवस्था प्रबंधन में भी उन्होंने सहभागिता निभाई।

स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में आदर्श अब तक 4 बार स्वैच्छिक रक्तदान कर चुके हैं। डेंगू नियंत्रण अभियान में सक्रिय योगदान के लिए 26 जनवरी 2022 को जिला मलेरिया अधिकारी ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया। यूनिसेफ और आवाज संस्था के 'यूथ एज चैंपियन फॉर चाइल्ड प्रोटेक्शन' अभियान तथा शिवपुरी में आयोजित राज्य स्तरीय नेतृत्व शिविर में भाग लेकर उन्होंने बाल अधिकार एवं सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। विश्व जल दिवस पर रंगोली, पेंटिंग और पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया। आदर्श जैन को एनएसएस में उत्कृष्ट योगदान के लिए 4 फरवरी 2023 को मध्यप्रदेश के राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अलावा 19 फरवरी 2023 को समाजसेवा के लिए नेशनल एस्पिरेशन अवार्ड, 22 अगस्त 2023 को सामाजिक बदलाव और युवा नेतृत्व के लिए नेशनल यूथ ब्रिलिएंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। एनएसएस के सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर में उल्लेखनीय सेवा के लिए विधायक सम्मान तथा कोरोना काल की जनसेवा के लिए कोविड सेवा सम्मान भी उन्हें मिल चुका है।

केंद्रीय मंत्री खटीक पहुंचे पलेरा, कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

संगठनात्मक गतिविधियों और स्थानीय मुद्दों पर कार्यकर्ताओं से की चर्चा

पलेरा, देशबन्धु। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक शनिवार को पलेरा पहुंचे। उनके पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह नजर आया। केंद्रीय मंत्री ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर क्षेत्र की स्थिति, संगठनात्मक गतिविधियों और स्थानीय स्तर से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।मुलाकात के दौरान कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की गतिविधियों और स्थानीय समस्याओं से संबंधित विषय केंद्रीय मंत्री के सामने रखे। डॉ. खटीक ने कार्यकर्ताओं से क्षेत्र में चल रही गतिविधियों की जानकारी ली। साथ ही संगठन को लेकर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से चर्चा की।कार्यकर्ताओं से लिया क्षेत्र का फीडबैक केंद्रीय मंत्री ने कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान क्षेत्र की राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों के बारे में

जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय स्तर पर संगठन की स्थिति और कार्यकर्ताओं की सक्रियता को लेकर भी चर्चा की। कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े विषयों की जानकारी साझा की।

केंद्रीय मंत्री के पलेरा पहुंचने की जानकारी मिलने पर पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उनसे मिलने पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया और विभिन्न विषयों पर संवाद किया। संगठनात्मक विषयों पर भी हुई चर्चा मुलाकात के दौरान संगठन की गतिविधियों को लेकर भी चर्चा हुई। स्थानीय पदाधिकारियों ने क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों और कार्यकर्ताओं के स्तर पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क और क्षेत्र में सक्रिय रहने को लेकर संवाद किया।इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि सुनील खटीक, सांसद प्रतिनिधि अनुराग वर्मा,मंडल अध्यक्ष पवन संज्ञा,सहित पार्टी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री के साथ कार्यकर्ताओं की मुलाकात के दौरान क्षेत्रीय विषयों और संगठन से जुड़े मुद्दों को लेकर चर्चा का दौर चलता रहा।

जागरूकता रैली में दिलाया नशे से दूरी का संकल्प

- राष्ट्रीय संकल्प समारोह में युवाओं ने ली नशामुक्त समाज की शपथ, जागरूकता रैली से दिया संदेश

टीकमगढ़, देशबन्धु। नशे के खिलाफ युवाओं को जागरूक करने और स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करने के मकसद से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मेरा भारत जिला टीकमगढ़ द्वारा अनुसूचित जाति बालक नवीन महाविद्यालयीन छात्रावास में 'नशा मुक्त युवा : विकसित भारत' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय संकल्प समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 100

विद्यार्थियों ने सहभागिता कर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् के साथ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि पूर्व अंतरराष्ट्रीय सॉफ्टबॉल खिलाड़ी निशांत जैन ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि खेल, अनुशासन और सकारात्मक सोच युवा जीवन की मजबूत नींव हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को रचनात्मक दिशा में लगाने का आह्वान किया।

जिला युवा अधिकारी अनुराग शुक्ला ने युवा संवाद के दौरान नशे के सामाजिक और व्यक्तिगत दुष्परिणामों पर चर्चा करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान आयोजित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में दीपू अहिरवार, शैलेन्द्र लोधी और कमल अहिरवार को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने नशामुक्ति जागरूकता रैली निकाली। हाथों में जागरुकता संदेश लिए युवाओं ने आमजन को नशे के दुष्परिणामों से बचने और स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में छात्रावास अधीक्षक आलोक गुप्ता, गौरीशंकर अहिरवार, एनवाईवी पुष्पेंद्र प्रजापति, उत्कर्ष उपाध्याय सहित छात्र उपस्थित रहे।

गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा समेत जनहित के मुद्दों पर आज सौंपेंगे आग्रह ज्ञापन

टीकमगढ़, देशबन्धु। गौ संरक्षण को बढ़ावा देने, देश में शराबबंदी लागू करने, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन तथा जैविक और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर समाजसेवियों द्वारा आज राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम आग्रह ज्ञापन सौंपा जाएगा।

समाजसेवियों का प्रतिनिधिमंडल दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेगा। इसमें गौ संरक्षण, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा जिला एवं तहसील स्तर पर प्राकृतिक एवं योग चिकित्सा केंद्र स्थापित करने सहित सामाजिक हित से जुड़े विषयों पर शासन का ध्यान आकर्षित कराया जाएगा। समाजसेवी महेंद्र द्विवेदी ने बताया कि इन विषयों पर ठोस एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर उसका क्रियान्वयन जरूरी है। ज्ञापन के माध्यम से समाज और राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर शासन से सार्थक पहल की मांग की जाएगी।

नारी जागरण से संस्कारवान पीढ़ी निर्माण का लिया संकल्प

- गायत्री शक्तिपीठ में माता भगवती देवी शर्मा जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजन
- सैकड़ों मातृशक्ति ने लिया सहभागिता

टीकमगढ़, देशबन्धु। माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष 2026 के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ टीकमगढ़ में नारी जागरण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री महामंत्र, दीप प्रज्वलन, देव पूजन एवं कलश पूजन के साथ हुआ। इस दौरान सैकड़ों मातृशक्ति ने सहभागिता कर नारी जागरण और संस्कारवान समाज निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विभा श्रीवास्तव, पूनम अग्रवाल, साधना चौहान, सुमन जायसवाल, रंजना परमार, लक्ष्मी गिरी और सरोज राजपूत सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाएं उपस्थित रहीं। मुख्य वक्ता विभा श्रीवास्तव ने माता भगवती देवी शर्मा के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन से नारी शक्ति, त्याग और संगठन की मिसाल प्रस्तुत की।

संगीता गुप्ता ने नारी की महत्ता, जबकि शीलम गुप्ता ने 'जागरूक नारी ही गढ़ सकती है संस्कारवान पीढ़ी' विषय पर विचार रखे। सीमा सैनी ने बाल संस्कार शाला और प्रवीणा खरे ने महिला संगठन के विस्तार की आवश्यकता बताई।

रजनी रावत, नीलम पाठक और डॉ. सुचि निवेदिता पाठक ने मातृ वंदना, गुरु वंदन एवं नारी जागरण से जुड़े गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन नीता खरे ने किया तथा आभार प्रतिभा बुंदेला ने माना। अंत में शांति पाठ और सामूहिक संकल्प के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

हालात जस के तस ....आखिर कार्रवाई का इंतजार कब तक?

मंडी चौराहा पर न तो अवैध शराब की बिक्री रूकी और न ही बंद हुई खुले में मांस की दुकानें

- व्यापारी से लेकर सुरक्षा गार्ड तक उठा चुके हैं आवाज, मंडी समिति ने भी प्रशासन को लिखा पत्र

टीकमगढ़, देशबन्धु। कृषि उपज मंडी समिति के मुख्य चौराहे पर कथित अतिक्रमण, अवैध शराब बिक्री और खुले में मांस की दुकानों को लेकर अब मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। एक-दो नहीं, बल्कि व्यापारी संघ, तुलावट संघ, मंडी सुरक्षा कर्मियों तथा मंडी क्षेत्र की कॉलोनी एवं क्षेत्रवासियों की ओर से 24 जून को अलग-अलग आवेदन दिए जाने के बाद मंडी समिति ने भी प्रशासन को लिखित पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। इसके बावजूद अब तक स्थिति जस की तस बनी होने के आरोप हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर प्रशासन किस बड़ी घटना का इंतजार कर रहा है?

कृषि उपज मंडी समिति टीकमगढ़ द्वारा 26 जून 2026 को अनुविभागीय अधिकारी दंडाधिकारी (राजस्व) टीकमगढ़ को भेजे पत्र में मंडी मुख्य चौराहे से अतिक्रमण हटाने की मांग की गई है। पत्र में चार अलग-अलग

आवेदनों का हवाला देते हुए बताया गया है कि मुख्य चौराहे पर अवैध शराब बिक्री, मांसाहारी भोजन एवं खुले में मांस मंडी से जुड़ी गतिविधियों के कारण असामाजिक तत्वों के जमावड़े और विवाद की आशंका बनी रहती है।

सुरक्षा गार्ड से मारपीट और अपहरण के प्रयास का भी उल्लेख

मंडी समिति के पत्र में स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हुए बताया गया है कि दो दिन पूर्व मंडी सुरक्षा गार्ड महेश अहिरवार के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट किए जाने तथा अपहरण का प्रयास किए जाने का उल्लेख आवेदन में किया गया है। पत्र में मंडी परिसर में वाहन चालकों को भोजन के लिए बाहर जाने संबंधी स्थिति तथा मंडी में शराब पीने के कारण कर्मचारियों से गाली-गलौज और विवाद की घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है। मंडी समिति ने यह भी बताया कि चौराहे पर रखी रमगुमटियों को लेकर कई बार घटनाएं होने का उल्लेख आवेदन में किया गया है। इसके साथ ही कृषक, हम्माल, तुलावट, व्यापारी और क्षेत्रवासी स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मंडी समिति ने अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन से कार्रवाई का अनुरोध किया है।

एक ही मामले में पांच विभागों तक पहुंचा पत्र

मंडी समिति ने केवल एसडीएम को पत्र भेजकर मामला खत्म नहीं किया, बल्कि इसकी प्रतियां कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर पालिका के कार्यपालन अधिकारी, यातायात पुलिस तथा थाना प्रभारी शहर कोतवाली को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी हैं। पत्र पर संबंधित कार्यालयों की प्राप्ति और कार्रवाई संबंधी टिप्पणियां भी दर्ज दिखाई दे रही हैं।

चार अलग-अलग पक्षों से शिकायतें सामने आने और मंडी समिति द्वारा स्वयं प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र भेजे जाने के बाद मामला अब केवल अतिक्रमण का नहीं रह गया है। मंडी जैसे सार्वजनिक और व्यस्त क्षेत्र में यदि शिकायतों के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं हुई और कोई गंभीर घटना घटती है, तो जिम्मेदारी तय करने का सवाल भी उठेगा। फिलहाल मंडी क्षेत्र के व्यापारी, किसान, हम्माल, कर्मचारी और आसपास के रहवासी प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। अब देखने वाली बात यह है कि लगातार सामने आ रहे आवेदनों और मंडी समिति के आधिकारिक पत्र के बाद प्रशासन मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेता है या फिर कागजी कार्रवाई तक ही मामला सीमित रहता है।

चिता आंदोलन का नौवां दिन: अब मिट्टी सत्याग्रह भी शुरू, टपरियों में डेरा और देर रात तक मशालों के साथ प्रदर्शन

शासन-प्रशासन लोकतांत्रिक आवाज का दमन कर रहा

पन्ना/अजयगढ़, देशबन्धु। मझगांय बांध से प्रभावित किसानों और आदिवासियों का चिता आंदोलन नौवें दिन और अधिक तीव्र हो गया। एक ओर आंदोलन को रोकने के लिए प्रशासनिक दबाव, नोटिस और अन्य कदम उठाए जाने का आरोप आंदोलनकारियों ने लगाया है, वहीं दूसरी ओर आंदोलनकारियों ने अपने संघर्ष को और व्यापक करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। अब तक सांकेतिक चिता, जल सत्याग्रह और रात में मशालों के साथ प्रदर्शन कर रहे आंदोलनकारियों ने शुक्रवार से 'मिट्टी सत्याग्रह' भी शुरू कर दिया। आंदोलन स्थल पर ग्रामीणों ने टपरियां बनाकर रहने की व्यवस्था की है और लंबे संघर्ष के लिए राशन सहित जरूरी सामान जुटाया है। आंदोलन अब सुबह से शाम तक सीमित नहीं है। देर रात तक मशालें जलाकर ग्रामीण अपने घर, जमीन और विस्थापन का दर्द सामने रख रहे हैं। आंदोलन के नेतृत्वकर्ता एवं जय किसान संगठन के नेता अमित भटनागर ने कहा—एक तरफ शासन-प्रशासन आंदोलन को दबाने के लिए लगातार नए-नए प्रयास कर रहा है, लेकिन दूसरी तरफ विस्थापितों का संकल्प हर दिन मजबूत हो रहा है। अब चिता, जल सत्याग्रह और मशालों के साथ मिट्टी सत्याग्रह भी शुरू हो गया है। भटनागर ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक कार्रवाई और पुलिस दबाव के जरिए लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। शासन-प्रशासन दमन करके लोकतंत्र का चीरहरण कर रहा है। पुलिस के दम पर आंदोलन समाप्त करने की कोशिश से हमारी मांगें समाप्त नहीं होंगी। अगर मुझे भी जेल में डाल दिया जाता है, तब भी ग्रामीणों का आंदोलन जारी रहेगा।उन्होंने कहा कि आंदोलन किसी व्यक्ति या अधिकारी के खिलाफ नहीं बल्कि प्रभावित परिवारों के अधिकार, न्यायपूर्ण मुआवजे और पुनर्वास के लिए है।

निर्माण से पुनर्वास तक भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच हो: अमित भटनागर ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा— हमारा आरोप है कि निर्माण से लेकर मुआवजे और पुनर्वास तक पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है। सर्वे हो, निर्माण कार्य हो या मुआवजे का निर्धारण—हर स्तर पर भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आ रही हैं। इसकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई गांव उजाड़े जा रहे हैं अथवा डूब की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन अनेक परिवारों को उनके अनुसार पूरा मुआवजा और पुनर्वास नहीं मिला है। जब गांव डूबने जा रहा है, तब यह बताना महत्वपूर्ण नहीं है कि किसी को कितना पैसा दिया गया। महत्वपूर्ण यह है कि उसका कितना अधिकार अभी बाकी है। जो दिया गया वह उसका हक था, लेकिन जो बाकी रह गया, उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की है।

रमिया आदिवासी की मौत पर भी उठाए सवाल: रमिया आदिवासी की मौत का जिक्र करते हुए भटनागर ने कहा कि एक आदिवासी महिला की मौत के बाद भी प्रशासन केवल यह बता रहा है कि कितनी राशि दी गई थी। यह क्यों नहीं बताया जा रहा कि परिवार को क्या-क्या मिलना बाकी था और पुनर्वास की स्थिति क्या थी? डूबते गांव के बीच परिवार की चिंता को भी गंभीरता से देखा जाना चाहिए। आंदोलनकारियों का कहना है कि रमिया बाई के मामले में उपलब्ध दस्तावेजों और परिवार के बयानों के आधार पर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मिट्टी सत्याग्रह क्यों?: आंदोलनकारियों ने बताया कि मिट्टी सत्याग्रह के माध्यम से प्रभावित परिवार उस जमीन से अपने भावनात्मक और जीवनगत जुड़ाव को सामने रख रहे हैं, जिस पर पीढ़ियों से उनका जीवन निर्भर रहा है। प्रभावितों का कहना है कि यह मिट्टी सिर्फ जमीन नहीं है। इसी में लोगों के घर, खेत, पुरखों की यादें और उनका जीवन जुड़ा है। जब इसी मिट्टी से उन्हें विस्थापित किया जा रहा है तो मिट्टी सत्याग्रह के जरिए हम अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से देश और सरकार तक पहुंचा रहे हैं।

आंदोलन की अनुमति को लेकर भटनागर का जवाब प्रशासन की अनुमति के सवाल पर अमित भटनागर ने कहा— हम किसी सार्वजनिक सड़क को बंद करके या आम लोगों को परेशान करके आंदोलन नहीं कर रहे हैं। प्रभावित ग्रामीण अपने ही गांव में अपनी समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से बैठे हैं। गांव में ग्रामीणों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण सत्याग्रह को समझने के बजाय प्रशासन बार-बार दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

सैलवाड़ा-रिचकुड़ी मार्ग पर दिखा तेंदुआ, ग्रामीणों में मचा हड़कंप

तेंदूखेड़ा देशबन्धु। उपवन मंडल के अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र तेजगढ़ अंतर्गत सैलवाड़ा से रिचकुड़ी मार्ग पर तेंदुआ दिखाई देने की सूचना से क्षेत्र के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मार्ग से गुजर रहे ग्रामीणों ने एक बड़े वन्यजीव को देखा, जिसके बाद इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजगढ़ वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र में जांच-पड़ताल शुरू की। वन विभाग की टीम ने आसपास के क्षेत्र में भ्रमण कर वन्यजीव की गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई। जांच के दौरान तेंदुए के पगमार्क भी मिले, जिसके आधार पर वन विभाग ने क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि की है। इसके बाद विभाग द्वारा सैलवाड़ा सहित रिचकुड़ी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने की समझाइश दी जा रही है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से जंगल की ओर न जाएं और विशेषकर अकेले जंगल क्षेत्र में जाने से बचें। शाम और रात के समय खेतों अथवा जंगल के आसपास जाते समय विशेष सावधानी बरतें। यदि किसी व्यक्ति को तेंदुआ या अन्य वन्यजीव दिखाई देता है तो उसके पास जाने अथवा उसे घेरने का प्रयास न करें, बल्कि तत्काल वन विभाग को सूचना दें। तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि के बाद वन विभाग की निगरानी बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने और वन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

इनका कहना है

इस संबंध में तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी अखिलेश चौरसिया ने बताया कि सैलवाड़ा-रिचकुड़ी मार्ग के आसपास तेंदुए के पगमार्क मिले हैं। इससे क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। वन विभाग द्वारा लगातार क्षेत्र की निगरानी की जा रही है तथा ग्रामीणों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

सार-समाचार

गल्ला मंडी गेट पर हाथ ठेलों का अतिक्रमण, राहगीरों की बढ़ी परेशानी

पन्ना, देशबन्धु। गल्ला मंडी के मुख्य गेट के बाहर लंबे समय से शीतल गुप्ता और आशीष गुप्ता फल के हाथ ठेले लगाए जा रहे हैं। ठेले सड़क किनारे जगह घेरने के साथ चादर और तिरपाल लगाकर काफी हिस्सा घेर लेते हैं, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाथ ठेलों के कारण रास्ता संकरा हो गया है और मंडी गेट के आसपास पैदल राहगीरों व वाहन चालकों को निकलने में दिक्कत होती है।ओर जाम की स्थिति बन रही आसपास के लोगों द्वारा कई बार नगर पालिका में शिकायत किए जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका से मंडी गेट के बाहर लगे हाथ ठेलों को व्यवस्थित कराने या हटाने तथा आवागमन सुचारु कराने की मांग की है।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम का हटा में लाइव प्रसारण

दमोह/हटा देशबंधु। नगर के तीन बत्ती तिगड्डा पर इन्दौर में आयोजित देश के नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व मे महत्वता रखने वाले राहुल गांधी का छात्रों की गूंज का लाइव प्रसारण हटा कांग्रेस के सभी विंगो ने मिलकर कराया इस दौरान कांग्रेस के योगेश सराफ अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ,दीपेश पटेरिया नगर कांग्रेस अध्यक्ष ,शैलेंन्द्र खटीक नगर पालिका अध्यक्ष प्रशांत पाठक नगरपालिका उपाध्यक्ष, सौरभ राय युवक कांग्रेस अध्यक्ष, जशवंत कुशवाहा एनएसयूआई अध्यक्ष के साथ वरिष्ठ कांग्रेसी मथुरा पटैरिया, प्रदीप खटीक, सुनील राय, बृजेश गुप्ता, महेन्द्र राय , राजेश यादव, अनिल यादव की उपस्थिति रही ।

सीतानगर सिंचाई परियोजना डेम में 2 युवक डूबे

दमोह देशबन्धु। दमोह के सीतानगर सिंचाई परियोजना डेअम में रविवार दोपहर दो युवक नहाते समय डूब जाने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनेश पटेल पिता रामा पटेल निवासी सीता नगर निवासी और देवेंद्र पटेल निवासी लुकायन रविवार को ड्रेम में नहाने आए थे। नहाते समय वे गहराई में चले गए और डूब गए। रोहित बरोलिया ने बताया कि दोनों लड़के बांध पर नहाने गए थे। इस दौरान एक युवक का पैर फिसल गया। उसे बचाने के लिए दूसरा युवक भी नदी में कूद गया। तेज बहाव के कारण दोनों डूब गए। नरसिंहगढ़ चौकी प्रभारी रोहित द्विवेदी और उनकी टीम मौके पर पहुंचे। जहां पर युवकों की तलाश की जा रही है। एसडीआरएफटीम प्रभारी प्राची दुबे ने बताया कि सीता नगर डेम में दो लोगों के डूबने की सूचना मिली है।

इंदौर में राहुल गांधी से मिले जिला कांग्रेस अध्यक्ष

पन्ना, देशबन्धु। देवी अहिल्या की नगरी इंदौर में शनिवार 19 सितंबर को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आगमन पर कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल रहा। इसी दौरान जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के अध्यक्ष अनीश खान कांग्रेस नेताओं एवं पदाधिकारियों के साथ इंदौर पहुंचे और होटल रेडिसन में राहुल गांधी से आत्मीय मुलाकात कर उनका स्वागत किया। राहुल गांधी इंदौर में आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने छात्रों और युवाओं से सीधे संवाद किया तथा शिक्षा, भर्ती प्रक्रिया और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर उनकी बात सुनी। कार्यक्रम में युवाओं ने अपनी समस्याओं और भविष्य को लेकर चिंताओं से राहुल गांधी को अवगत कराया। पन्ना जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीश खान ने राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान जिले से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि युवाओं की शिक्षा, रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दे वर्तमान समय में बेहद महत्वपूर्ण हैं और इन विषयों पर युवाओं की आवाज को प्रमुखता से उठाया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर पन्ना जिले से पहुंचे कांग्रेस नेताओं एवं पदाधिकारियों में उत्साह देखने को मिला। राहुल गांधी के इंदौर आगमन को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भी विशेष उत्साह रहा।

बड़े बाबा के दरबार में उमड़ा श्रद्धा और भक्ति का सैलाब

तेंदूखेड़ा देशबन्धु। बड़े बाबा श्री शांतिनाथ भगवान के दरबार में रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मस्तकाभिषेक, शांतिधारा एवं शांतिविधान का आयोजन संपन्न हुआ। उत्तम सत्य धर्म दिवस के पावन अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजनों एवं श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर अभिषेक, पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता की। इस अवसर पर शांतिधारा के महापात्र बनने का सौभाग्य ताराचंद जैन, शैलेश जैन, संजय जैन, सुनील जैन वर्धमान मोबाइल परिवार तेंदूखेड़ा, अनिल चौधरी, मोहित चौधरी ज्ञान दीप विद्यालय परिवार, अरविन्द जैन सनाई वाला परिवार तथा सुरेंद्र जैन, सचिन जैन एवं शुभम जैन खमरिया वाला परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य शिक्षक शिखरचंद जैन तथा सुदीप-सुबोध जैन परिवार को मिला। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने बड़े बाबा के चरणों में श्रीफल अर्पित कर मंगलकामना की और उत्तम सत्य धर्म को जीवन में धारण करने का संकल्प लिया। श्री शांतिनाथ भक्त मंडल द्वारा रविवार रात्रि 8 बजे से भक्तामर पाठ एवं महाअर्चना का विशेष आयोजन किया गया।

बिस्तर पर बैठकर मोबाइल चला रही महिला को सांप ने काटा

दमोह देशबन्धु। दमोह जिले के नोहटा थाने में बिस्तर पर बैठकर मोबाइल चला रही महिला को सांप के काट लेने पर इलाज हेतु जिला अस्पताल लाया गया। प्राप्त पूजा पति दीपक सिंह उम्र 30 वर्ष को शनिवार रात में बिस्तर पर बैठकर मोबाइल चला रही थी। इसी दौरान सांप ने पूजा के हाथ में काट लिया।

जिला अस्पताल के डॉ. सुरेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि समय पर इलाज मिलने की वजह से पूजा खतरे से बाहर है। एहतियातन उसे निगरानी में रखा गया है।

पटेरा थाना क्षेत्र का मामला:ज्वेलरी दुकान में हुई चोरी

दमोह देशबन्धु। जिले के पटेरा थाना क्षेत्र में शनिवार-रविवार रात ज्वेलरी दुकान में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दुकानदार जितेंद्र साहू ने बताया कि सुबह स्थानीय लोगों ने दुकान का शटर खुला और तिजोरी बाहर देखने पर मुझे सूचना दी। जिसके बाद मैने इसकी जानकारी पटेरा पुलिस को सूचना दी है। चोर दुकान के काउंटर से करीब 120 ग्राम सोना, 15 किलो चांदी और 80 हजार नकद ले गए है। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। जिसमें शनिवार-रविवार रात करीब 1 से 3 बजे के बीच चोरों ने दुकान के शटर के ताले तोड़े और अंदर घुसे। फुटेज में कुछ संदिग्ध लोग दिखाई दे रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची। पटेरा थाना प्रभारी रचना मिश्रा ने बताया कि वारदात शनिवार-रविवार रात 1 से 3 बजे के बीच हुई। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

दमोह देशबन्धु। जिले के हिंडोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बांदकपुर तिराहा के आगे कटनी मार्ग स्थित किट्टू पिट्टू ढ़ावा के पास शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अजय पिता बबलू सिंह गौड़, उम्र करीब 27-28 वर्ष, निवासी मड़िया दमोह बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।सूचना मिलते ही मौके पर बांदकपुर चौकी प्रभारी राजेंद्र मिश्रा सहित पुलिस बल पहुंचा और शव को उठाकर जिला अस्पताल के शव गृह में सुरक्षित रखवाया। सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।बाइक क्रमांक एमपी 34 जेडसी 5473 बताई जा रही है।

रिकॉर्ड में लोधी- दस्तावेजों में रैकवार फिर नामांतरण कैसे हो गया

पहले आवेदन हुआ था निरस्त- 16 दिन बाद आगे बढ़ी प्रक्रिया जांच की मांग

तेंदूखेड़ा देशबन्धु। तहसील तेंदूखेड़ा के मंडल तेजगढ़ अंतर्गत ग्राम पंडरिया सिंगौरगढ़ मौजे में फौती नामांतरण की प्रक्रिया राजस्व अभिलेखों में दर्ज प्रविष्टियों के अंतर को लेकर सवालों के घेरे में है। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, फौती नामांतरण के लिए 11 अक्टूबर 2025 को लोकसेवा केंद्र में आवेदन क्रमांक आरएस /428/0760/9672/2025 के तहत आवेदन किया गया था आवेदन के साथ संलग्न खसरा और बी-1 की नकल में संबंधित व्यक्ति की जाति लोधी दर्ज बताई गई, जबकि आधार कार्ड, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र सहित अन्य दस्तावेजों में जाति रैकवार दर्ज थी। इस अंतर के चलते आवेदन पूर्व में खारिज कर दिया गया था। आवेदक को पहले राजस्व अभिलेख दुरुस्त कराने के बाद फौती नामांतरण कराने की जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद करीब 16 दिन बाद इसी मामले में फौती नामांतरण की कार्रवाई आगे बढ़ने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। खसरा नंबर 3 में नाम उमराई और नंबर 4 में उमराव दर्ज होने का भी दावा है। वहीं, राजस्व रिकॉर्ड में जाति संबंधी प्रविष्टि में पटवारी आईडी के माध्यम से बदलाव किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। मामले की स्थिति पुराने व वर्तमान खसरा, बी-1, संशोधन विवरण, आवेदन, मृत्यु प्रमाण पत्र, पटवारी प्रतिवेदन और नामांतरण आदेश की जांच से स्पष्ट हो सकती है

पहले खारिज हुआ आवेदन, फिर आगे बढ़ी प्रक्रिया

फौती नामांतरण के आवेदन के साथ लगाए गए दस्तावेजों में जाति की प्रविष्टियों का अंतर सामने आया था उपलब्ध जानकारी के अनुसार खसरा और बी-1 में संबंधित व्यक्ति की जाति लोधी, जबकि आधार कार्ड, मृत्यु प्रमाण पत्र और शपथ पत्र सहित अन्य दस्तावेजों में रैकवार दर्ज थी इसी विसंगति के आधार पर पूर्व में आवेदन खारिज कर दिया गया था। आवेदक को राजस्व अभिलेख में दर्ज जाति संबंधी प्रविष्टि दुरुस्त कराने के बाद नामांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की बात कही गई थी। अब सवाल यह है कि करीब 16 दिन बाद इसी मामले में प्रक्रिया किस आधार पर आगे बढ़ी।

अनियंत्रित होकर गिरे बाइक सवार 2 घायल, जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा देशबन्धु। रविवार दोपहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत तारादेही मार्ग पर स्थित बहेरिया की अंधे मोड़ पर तेज रफ्तार बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिरे जाने से गंभीर रूप से घायल हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है घटना की सूचना राहगीरों द्वारा 108 और डायल 112 को दी गई जहां सूचना मिलते ही 108 से पायलट शंकर यादव डॉक्टर भगवान दास यादव मौके पर पहुंचे और घायलों को उठाकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया जहां से एक युवक को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया है घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार नन्हेलाल पिता नारायण गौड़ उम्र 72 वर्ष निवासी पिपरया थाना नरसिंहपुर पूरन पिता तोरण गौड़ उम्र 42 वर्ष निवासी पिपरया थाना नरसिंहपुर है जो किसी कार्य को लेकर धनगौर कछार गांव आए थे लेकिन वापस अपने घर नरसिंहपुर जाते समय बहेरिया की अंधे मोड़ पर अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों बाइक सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

जीवन में कुटिलता को छोड़ सरलता और निष्कपटता अपनाने का प्रयास करें : विदुषी रुचि

दमोह/हटा देशबन्धु। श्री दिगंबर जैन मंदिर, हटा में दशलक्षण महापर्व में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बीच उत्तम आर्जव धर्म के पावन अवसर पर विदुषी ने:उत्तम आर्जव धर्म' की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को भावपूर्ण सम्बोधन दिया। उन्होंने जीवन में छल-कपट त्यागकर सरलता, सहजता और निष्कपटता को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। ऋजुता और सरलता ही आर्जव धर्म का मूल आधार:आर्जव धर्म का भाव है ऋजुता (सरलता)। जहाँ मन, वचन और काय में निष्कपटता तथा सहजता का भाव होता है, वहीं आर्जव धर्म की उत्पत्ति होती है। जहाँ सरलता विद्यमान है, वहाँ कुटिलता का स्वत: ही अभाव हो जाता है।' आज का मनुष्य कृत्रिमता, कुटिलता और जटिलता के वशीभूत होकर जी रहा है। कृत्रिमता का सीधा अर्थ है दिखावा करनाकृमनुष्य जैसा अंदर से वास्तविक रूप में नहीं है, वैसा बाहर से बनने और प्रकट करने का निरर्थक प्रयास करता है। जैसे-जैसे जीवन में दिखावा और कृत्रिमता बढ़ती है, वैसे-वैसे मन में कुटिलता, जटिलता और कपट अपना स्थायी डेरा जमा लेते हैं। मानव स्वभाव प्याज के छिलकों की तरह है 'आज के मनुष्य का व्यक्तित्व प्याज की तरह हो गया है, जिसकी एक-एक परत हटाने पर एक नया ही रूप सामने आता है। पहली बार देखने पर मनुष्य कुछ और प्रतीत होता है।'

बालक की भांति निष्पाप और सरल बनने की प्रेरणा

हमें अपने जीवन में बालक जैसी सरलता अपनाना चाहिए। जिस प्रकार एक अबोध बालक के मन में कोई कपट या छल नहीं होता, उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन में सहजता और सरलता को अपनाना होगा। आर्जव धर्म के विरोधी भाव की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि माया आर्जव धर्म का विरोधी तत्व है। माया स्वयं को भी ठगती है और दूसरों को भी ठगने की प्रवृत्ति को जन्म देती है। इस माया रूपी आवरण ने आत्मा के वास्तविक परमात्मा स्वरूप को ढक रखा है। यदि हमें आत्मा को कर्मों के बंधनों से मुक्त कर परमात्मा स्वरूप में लीन करना है, तो इस माया और कपट के जाल को तोड़ना ही होगा।

ख्वाजा अब्दुस्सलाम चिश्ती का उर्स जारी आज निकलेगा संदली चादर जुलूस

दमोह देशबन्धु। महान सूफी संत कौमी एकता के प्रतीक महान सूफी संत हजरत ख्वाजा अब्दुल सलाम चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह का 36 वाँ सलाना उर्स मुबारक दमोह नगर के पुराना बाजार नंबर 2 चिश्ती नगर में मनाया जा रहा है। उर्स मुबारक के अवसर पर आज सोमवार दोपहर 3 बजे से संदली चादर जुलूस पुराना बाजार चिश्ती नगर कासिम हाशिम ठेकेदार हासिम ठेकेदार के निवास खानकाह शरीफसे जुलूस निकलेगा जो दमोह नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस चिश्ती नगर स्थित दरगाह ख्वाजा अब्दुल सलाम साहब चिश्ती के दरबार में चादर चढ़ाई जाएगी। जुलूस पुराना बाजार नंबर चिश्ती नगर से पठानी मोहल्ला महाकाली चौक पड़ा पुल होते हुए घंटाघर के रास्ते पुराने थाने से गढ़ी मोहल्ला होते हुए पानी की टंकी से दरगाह पहुचेगा ।

लव-कुश के आदर्शों को आत्मसात कर शिक्षा और संस्कार से समाज को नई दिशा दें : गोविंद सिंह राजपूत

कुशवाहा समाज के मेधावी विद्यार्थियों और समाजसेवियों का किया सम्मान

सागर, देशबन्धु। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के तत्वावधान में रविवार को भगवान लव-कुश जन्मोत्सव एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि भगवान लव-कुश साहस, संस्कार, शिक्षा, स्वाभिमान, न्याय और सत्य के प्रतीक हैं। उनके आदर्शों को जीवन में उतारते हुये समाज की नई पीढ़ी को शिक्षा और संस्कार देने का संकल्प लेना चाहिये। मंत्री राजपूत ने कहा कि कुशवाहा समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। कृषि, शिक्षा, व्यापार, उद्यम, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण में समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। समाज की वास्तविक शक्ति उसकी युवा पीढ़ी है। युवाओं को शिक्षा, कौशल, संस्कार और अवसर मिलें तो वे परिवार के साथ समाज और देश को भी आगे ले जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे

बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा केवल रोजगार पाने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले भी बनें। मंत्री ने कहा कि समाज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। शिक्षा, खेल, प्रशासन, चिकित्सा और विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में वे अपनी प्रतिभा साबित कर रही हैं। बेटी को शिक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर देना समाज की जिम्मेदारी है। बेटियां शिक्षित और आत्मनिर्भर होंगी तो परिवार और समाज मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि विकास का अर्थ केवल सड़क और भवन निर्माण नहीं, बल्कि शिक्षा के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना भी है। समारोह में मंत्री राजपूत ने कुशवाहा समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ समाजसेवा, शिक्षा, चिकित्सा, विधि सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजजनों को सम्मानित किया। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि उनकी उपलब्धियां समाज की नई पीढ़ी के लिये प्रेरणास्त्रोत हैं। मंत्री ने समाज की एकता पर जोर देते हुये कहा कि भगवान लव-कुश जन्मोत्सव सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देने का अवसर भी है। समाज में विवाद के बजाय संवाद और भेदभाव के बजाय समरसता को बढ़ावा देना चाहिये। कार्यक्रम में विधायक प्रदीप लारिया, ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाहा, कुशवाहा समाज के राष्ट्रीय महामंत्री अर्जुन पटेल, महासचिव नारायण सिंह कुशवाहा, राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश ग्वालियर, राजेश कुशवाहा, प्रदेश अध्यक्ष उषा पटेल, जिला पंचायत सदस्य प्रदीप पटेल कनेरा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और समाजजन उपस्थित रहे।

जुआ फड़ पर मोतीनगर पुलिस की दबिश, 11 आरोपी हत्थे चढ़े

11500 नगद और ताश के पत्ते बरामद, जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

सागर, देशबन्धु। जुआ-सट्टा सहित अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत मोतीनगर पुलिस ने जुआ फड़ पर दबिश देकर 11 आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने मौके से 11500 नगद और 52 ताश के पत्ते बरामद किये हैं। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन अति. पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया एवं नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक ललित कश्यप के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पंतनगर वार्ड स्थित पुरानी काली माता मंदिर के सामने कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी मोतीनगर निरीक्षक जसवंत सिंह राजपूत ने पुलिस टीम के साथ मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर जुआ खेल रहे लोगों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर 11 लोगों को मौके से पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे एवं मौके से कुल 11500 नगद तथा 52 ताश के पत्ते जब्त किये, सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जसवंत सिंह राजपूत, दिनेश यादव, सुनील, सत्येंद्र, राजीव, अनुराग, ब्रजेन्द्र, संजय और गौरव सेन की भूमिका रही।

नितिन नबीन से गोपाल भार्गव ने की आत्मीय मुलाकात

सागर, देशबन्धु। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पूर्व नेता प्रतिपक्ष, पूर्व मंत्री एवं रहली विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से आत्मीय मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच मप्र एवं देश से जुड़े विभिन्न राजनीतिक विषयों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में चर्चा हुई। इस अवसर पर प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों तथा संगठन से जुड़े विषयों पर भी विचार विमर्श हुआ।

छोटी मांगरोन में बारिश ने ग्रामीणों की बढ़ाई मुसीबत, फसल पर संकट

शाहपुर, देशबन्धु। सागर-शाहपुर मार्ग से देवरी-पथरिया की ओर जाने वाले मार्ग पर बीच में पड़ने वाले ग्राम छोटी मांगरोन में बारिश ने ग्रामीणों और किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। करीब एक घंटे की बारिश के बाद गांव की सडक़ पर इतना पानी भर जाता है कि सड़क कहां है और पानी कहां, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। गांव में सडक़ तो बनी हुई है, लेकिन सड़क के किनारे बारिश के पानी की निकासी के लिए नाली अथवा कोई स्थायी जल निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी सडक़ पर ही जमा हो जाता है। कई स्थानों पर करीब एक से डेढ़ फीट तक पानी भरने की स्थिति बन रही है। ऐंसे में पैदल राहगीरों, बाइक सवारों और सवारी वाहनों को इसी पानी के बीच से निकलना पड़ रहा है। बारिश ने किसानों की परेशानी भी बढ़ा दी है। उड़द और सोयाबीन की फसल पहले ही प्रभावित हो चुकी है, वहीं अब लगातार बारिश और खेतों में जलभराव से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कहीं किसान फसल काटकर खेत में ही डाल चुके हैं, तो कहीं फसल अभी खेतों में खड़ी है और उसमें

पानी भर चुका है। ऐसे में किसानों के सामने खड़ी फसल को बचाने के साथ-साथ काटी जा चुकी फसल को सुरक्षित रखने की चुनौती भी है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान हर बार इसी तरह जलभराव की स्थिति बनती है। सड़क के किनारे यदि नाली और पानी की निकासी की स्थायी व्यवस्था कर दी जाये तो समस्या से काफी हद तक निजात मिल सकती है। अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से लेकर जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करायेंगे या फिर ग्रामीणों और किसानों को हर बारिश में इसी तरह परेशानी झेलनी पड़ेगी।

टीईटी नहीं, न्याय चाहिए: शिक्षक संवर्ग का अभूतपूर्व प्रदर्शन

2 हजार से अधिक शिक्षकों ने किया सामूहिक उपवास, रैली निकालकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सागर, देशबन्धु। टीईटी की अनिवार्यता सहित विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षक संवर्ग ने शनिवार को संयुक्त मोर्चा के बैनर तले जोरदार प्रदर्शन किया। स्वीडिश मिशन परिसर में जिलेभर से पहुंचे दो हजार से अधिक शिक्षकों ने सामूहिक उपवास किया। इसके बाद शाम 4 बजे शिक्षकों ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। मोर्चा के जिला संयोजक राकेश राजपूत एवं धर्मेंद्र दुबे ने बताया कि शिक्षक संवर्ग लंबे समय से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संघर्षरत है। इसी क्रम में पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में शिक्षक स्वीडिश मिशन परिसर में एकत्र हुये और सामूहिक उपवास किया। इसके बाद रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में अध्यापक-शिक्षक संवर्ग के लिये टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त कर उन्हें टीईटी से मुक्त करने, दोषपूर्ण ई.अटेंडेंस व्यवस्था तत्काल बंद करने तथा पुरानी पेंशन योजना ओपीएस पुन: बहाल करने की मांग प्रमुखता से रखी गई। इसके साथ ही प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कर पेंशन, ग्रेच्युटी

एवं अवकाशों के नगदीकरण का लाभ देने तथा अध्यापक-शिक्षक संवर्ग को कैशलेस योजना का लाभ प्रदान करने की मांग भी की गई। मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों की मांगों पर सरकार गंभीरता से विचार कर शीघ्र समाधान की दिशा में पहल करे। उन्होंने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होकर आंदोलन को सफल बनाने वाले सभी शिक्षक साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रदर्शन में सूर्यपाल राजपूत, डॉ. राजेंद्र यादव, राकेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, शशिभूषण तिवारी, राजकुमार कपूर, बृजेंद्र चौबे, कृष्ण मुरारी, गोविंद सिंह ठाकुर, अजय उपाध्याय, दशरथ लोधी, प्रमोद चौबे, अर्जुन सिंह केसली, बृजेश शुक्ला, श्रीकांत गर्ग, राजकुमार लोधी, राघवेंद्र सिंह ठाकुर, मनीषा चढ़ार, विजया मिश्रा, संध्या साहू, नीता विश्वकर्मा, कुरेशा खान, अनुराधा सहित बड़ी संख्या में अध्यापक-शिक्षक शामिल रहे।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली***
प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।